



# आरत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 44] भृष्ट बिल्ली, शनिवार, नवम्बर 2, 1991 (कार्तिक 11, 1913)

No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 2, 1991 (KARTIKA 11, 1913)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

M  
12-6/18992

## विषय-सूची

पृष्ठ

पृष्ठ

भाग I—बाण 1—(राज मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम व्यायालय द्वारा जारी की गई विभिन्न नियमों, नियमितों, आदेतों तथा संकालनों से संबंधित अधिसूचनाएं

793

भाग I—बाण 2—(राज मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम व्यायालय द्वारा जारी की गई मंत्रालयी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, शूटिंगों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं

1305

भाग I—बाण 3—राज मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकालनों और असाधिक आदेतों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं

9

भाग I—बाण 4—राज मंत्रालय द्वारा जारी की गई संस्कारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, शूटिंगों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं

1053

भाग II—बाण 1—अधिनियम, अध्यारोप और विभिन्न

\*

भाग II—बाण 2—विभिन्न तथा विभिन्नों पर प्रवर्त समितियों के बिना तथा रिपोर्ट

\*

भाग II—बाण 3—उप-बाण (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (राज मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ मंत्रित संकालनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य संविधिक नियम (विभिन्न सामान्य व्यवस्था के बारें पौर उपविधियों आदि दी जामिल हैं)

\*

भाग (I)—बाण 3—उप-बाण (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (राज मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ मंत्रित संकालनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संविधिक आदेत और अधिसूचनाएं

\*

भाग II—बाण 3—उप-बाण (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (विभिन्न तथा मंत्रालय दी जामिल हैं) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ मंत्रित संकालनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य संविधिक नियमों और संघ मंत्रित अधिकारियों (विभिन्न सामान्य व्यवस्था की उपविधियों दी जामिल हैं) के विभिन्न अधिकार तात (ऐसे पांच को छोड़कर जो भारत के राजत के बाण 3 वा बाण 4 में प्रकाशित होते हैं)

भाग II—बाण 4—राज मंत्रालय द्वारा जारी किए गए विभिन्न नियम और आदेत

भाग III—बाण 1—उच्च व्यायालयों, विधायक और महालेखा परिषद, संघ लोक सभा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और भूमिक्य आपीलों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

933

भाग III—बाण 2—रेलवे कार्यालय द्वारा जारी की गई रेलवे और विशाइयों के संबंधित अधिसूचनाएं

1207

भाग III—बाण 3—सूचय आदेतों के अधिकार के अधीन संबन्ध द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

\*

भाग III—बाण 4—विविध अधिसूचनाएं विभिन्न संविधिक नियमों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेत, विभाग और नोटिस जामिल हैं

3415

भाग IV—राजस्वारी अधिकारी और राज-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विभाग और नोटिस

147

भाग V—संसेची और गिर्ही वीनों में जग्म और मूल्य (क) आदेतों की दबावी जाती अनुसूच

\*

## CONTENTS

	PAGE	PAGE	
<b>PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court,</b>	793	<b>PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (III)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, Published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules &amp; Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of Government of India (including the Ministry of Defence) and, by General Authorities (other than Administration of Union Territories)</b>	908
<b>PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court</b>	1363	<b>PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence</b>	
<b>PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence</b>	9	<b>PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India</b>	933
<b>PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence</b>	1633	<b>PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs</b>	1207
<b>PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations</b>		<b>PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners</b>	
<b>PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations</b>		<b>PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies</b>	3615
<b>PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills</b>		<b>PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies</b>	147
<b>PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (I)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)</b>		<b>PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi</b>	
<b>PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (II)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)</b>			

\*Post No. not received.

भाग I—खण्ड 1  
(PART I—SECTION 1)

**(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं**

**[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministers of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]**

राष्ट्रपति नियमालय

गई विज्ञप्ति, दिनांक 9 अक्टूबर, 1991

सं० 110-प्र०/91—प्र०ग्राम परिवर्तन रक्षा पक्ष के सम्बन्ध में 27 अक्टूबर, 1991 के भारत के राजपत्र के भाग 1, खण्ड 1 में प्रकाशित इस नियमालय की 16 अंश, 1991 की अधिसूचना सं० 60-प्र०/91 में निर्माणित रूपोऽवल किया जाता है :—

पृष्ठ 2 की कम से 6 में

श्री श्री० एम० गिल  
के स्वाम पर

श्री श्री० एम० गिल  
पहा जाए

सं० 111-प्र०/91—प्र०ग्राम—जीवन रक्षा पक्ष प्रदान करने के सम्बन्ध में 27 अक्टूबर, 1991 के राजपत्र के भाग 1, खण्ड 1 में प्रकाशित इस नियमालय की 13 अंश, 1991 की अधिसूचना सं० 62-प्र०/91 में निर्माणित रूपोऽवल किए जाते हैं :—

पृष्ठ 6 की कम से 17 में

श्री रमेश बासवेंत झुम्री  
के स्वाम पर

श्री हाय्यो रमेश बासवेंत  
पहा जाए ।

पृष्ठ सं० 13 की कम से 40 में

श्री बाय छण्ड बालपेठी  
के स्वाम पर

श्री बाल छण्ड बालपेठी  
पहा जाए ।

श्री० सपा नियमालय

(पी० प० श्री० श्री०)

गई विज्ञप्ति—110001, दिनांक 10 मित्राम्बा, 1991

सं० 4/1-प्र०/91—श्री० सपा और राष्ट्र सभा के नियमालय  
सम्बन्ध, सरकारी उपकरणों संबंधी समिति के 30 अक्टूबर, 1992 को समाप्त  
होने वाले, कार्यकाल के लिए सम्बन्धी समिति किए गये हैं :—

सदस्य लोक सभा

1. श्री पद्मल आचार्य
2. श्री ए० शार० अन्तुरी
3. श्री चन्द्रशाल चन्द्राकार
4. श्री रघुवेंद्र चौधरी
5. श्री मदन लाल लूराना
6. श्री पीठर जी० मरामिङ्ग
7. श्री एम० श्री० चतुर्वेद भूषि
8. श्रा० पी० वल्लभ पैशमाल
9. श्री पीपूष तिरसी
10. श्री शै० पी० लक्ष्मीकृष्णन
11. श्री श्री० याजा रमि बर्मी
12. श्रीमति रीता बर्मी
13. श्री मुक्तील चन्द्र बर्मी
14. श्री श्री० एम० विष्वरामदास
15. श्री वेनेश प्रसाद योद्धा  
सदस्य राष्ट्र सभा
16. श्री गोविन्दी चूमार
17. श्री अविन धी० कौरी
18. श्री महेश मिहू लाठर
19. श्री सैयद सिल्ले रसी
20. श्रा० श्री० गिरेय लौह रेत्ती
21. श्रीमती कमला तिलका
22. श्री० चतुर्वेद पी० लालूर

वर्तमान महोदय ने श्री ए० शार० अन्तुरी और समिति का समाप्ति  
नियुक्त किया है ।

प्र० कौ० श्रीमद्दाय,  
निदेशक

श्री० एम० बहरा, संपूर्ण संविध

## इलेक्ट्रोनिकी विभाग

(ग) राजस्व (रायली) निम्नविवित घरों पर भी जाएगी।

नई फ़िल्मी-११०००३, विलास २७ नवम्बर १९९१

सं० २५ (२)/९१-एस० श्री० ए०—इलेक्ट्रोनिकी विभाग ने बंगलौर, पुणे तथा भुजनेश्वर में साप्तर्षीय श्रीधोगिकी पाकों की स्थापना की है। इन साप्तर्षीय श्रीधोगिकी पाकों का प्रबन्ध बंगलौर, पुणे तथा भुजनेश्वर स्थित पंचीहृत संस्थाओं द्वारा किया जाता है। इलेक्ट्रोनिकी विभाग ने भूम्य पर्याप्तता अधिनियम १९८० की आधा १३ लाख १४ के प्राक्षात्रों के अनुसार इन संस्थाओं की भूमि करने का विषय किया है। पहुंची विषय किया गया है कि बंगलौर, पुणे तथा भुजनेश्वर स्थित इस साप्तर्षीय श्रीधोगिकी पाकों की सम्पत्ति के निपटारे तथा उनके समाधान से संबंधित दाढ़ों तथा वैदिकार्थी पंचीहृत त्रिवेदी प्रबन्ध इलेक्ट्रोनिकी विभाग द्वारा विलीन से भारतीय सांख्यिकी श्रीधोगिकी पाकों नामक एक पंचीहृत संस्था को वृत्तीयता दिया गया है। इसको स्थापना सभी साप्तर्षीय श्रीधोगिकी पाकों के लिए की गई है।

## आवेदन

आवेदन किया जाता है कि यह संकल्प सारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए। यह भी आवेदन किया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति भाइत सहकार से सभी संस्कारणों/विभागों तथा भाष्य सभी संबंधित छायाँलयों आदि को प्रक्रिया की जाए।

अमित विवरण वैद्य  
संयुक्त लिखित

नेट्रोलियम और प्राहृतिक गैस संसाक्षण

नई फ़िल्मी, विलास २ अक्टूबर १९९१

## आवेदन

विषय : नेंद्र एवं प्राहृतिक गैस आयोग को काल्पन अपतट के ग्राम-१ विस्तारण एक के ५६० वर्ग किलोमीटर के लेक के लिए नेट्रोलियम अव्यवस्था की स्थीरता।

सं० ३०—१२०१२/३२/९०-श्री० एस० श्री०/श्री०-४—नेट्रोलियम और प्राहृतिक गैस के लियम १९६८ के नियम ५ के चारियम (१) आणा (१) द्वारा प्रदत्त शर्कियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनवाइए तेल एवं प्राहृतिक गैस जायोग, नेत्र भवन, वेहराबुरु (जिसे इसमें इसके बावजूद आयोग नहीं गया है) काल्पन अपतट के ग्राम-१ विस्तारण एक के ५६० वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में नेट्रोलियम विस्तरे की समाजवाद के लिए एक नेट्रोलियम अव्यवस्था के लिए ४ माह, १९९१ से आरं वर्ष की अवधि के लिए एकीकृत देती है जिसके विवरण संसाक्षण अनुसूची “क” में लिए गए हैं।

प्राइमरी की स्थीरता निम्नविवित घरों पर है :—

- (क) अव्यवस्था लाइसेंस नेट्रोलियम के संबंध में होगा।
- (ख) यदि अव्यवस्था वर्ष के सीरिज कोई व्यापक वर्ष वर्ष नहीं हो तो आयोग पूर्ण व्यापक के साथ इसकी सूचना केरव सरकार को देता।

(१) समस्त लापोडित तेल तथा लैसिंग हैं क्षेत्रों पर ३१४-रुपये प्रति शीढ़िक रुपये द्वारा भूम्य-सम्पर्क से लैसीय सरकार द्वारा निर्धारित भी जाएगी।

(२) प्राहृतिक गैस के मास्टर में से एरे लैसीय सरकार द्वारा भूम्य-सम्पर्क पर निर्धारित दरों के अनुसार होती।

राजस्व (रायली) की व्यायामी, नेट्रोलियम और प्राहृतिक गैस संसाक्षण नई फ़िल्मी के वेतन तथा लेका अदिकारी को की जाएगी।

(३) आयोग लाइसेंस के अनुसार माह में प्रथम ३० लिंगों के विलासी माह में प्राप्त समस्त भूमोडित नेंद्र की माला, लैसिंग हैं क्षेत्रों और प्राहृतिक गैस की माला तथा उसका बूल चकित सूख्य वर्ष की बाला एक पूर्ण तथा लैसीय विवरण के लैसीय सरकार को सेवेगा। यह विवरण संसाक्षण अनुसूची “क” में लिये गये प्रपत्र में साकर देना होगा।

(४) नेट्रोलियम और प्राहृतिक गैस नियम १९८० के नियम ११ की अपेक्षाओं के अनुसार भागोग, ६०,००० रुपये की इनामी प्रतिपूर्णि के रूप में देता करेगा।

(५) आयोग प्रतिवर्ष लाइसेंस के संबंध में एक शुल्क का सुगताल करेगा जिसकी संगताल प्रत्येक वर्ष किलोमीटर पा छमके लिंगी भूमि के लिए जिसका लाइसेंस में उल्लेख किया गया होगा, निम्नविवित दरों पर की जाएगी :—

(१) लाइसेंस के प्रथम वर्ष के लिए	५ रुपये
(२) लाइसेंस के द्वितीय वर्ष के लिए	४० रुपये
(३) लाइसेंस के तृतीय वर्ष के लिए	२०० रुपये
(४) लाइसेंस के चतुर्थ वर्ष के लिए	४०० रुपये
(५) लाइसेंस के नवीकरण के प्रथम वर्ष	५०० रुपये

(६) आयोग जो नेट्रोलियम और प्राहृतिक नेंद्र नियम १९८० के नियम II के रूप नियम (३) की अपेक्षाओं के अनुसार अव्यवस्था लाइसेंस में इस्तेवित किसी लेक के लिए भाग को छोड़ देने की स्वतंत्रता, सरकार को वो भाग की विवित नीटिस देने के बाब्त होती।

(ग) भाषोग बैद्यीय सरकार की मांग किये जाते पर तत्काल नेत्र तथा प्राहृतिक गैस अब्देशणों के द्वारा नाएँ गए सरकार अधिकार पवाणी के सर्वेष्व मैं भौतिकानिक आकृति है जारे में एक पूर्ण शिरोट्ट, गुल लाल से लेकर नाया हुआ उमड़ीने में शिरिकत लप्प में केन्द्रीय सरकार को समस्त परिचालनों, बेस्ट नाया घन्वेषण कानों के परिणामों के बारे में सूचना देता ।

(म) भाषोग दमुद्ध की नलहुदी और या उमड़ी मात्र हर भाग बूझने मैं बैद्यी निवालक जापानों की व्यवस्था करेगा तथा भाग बूझने मैं तु हर समय के लिए लुपकरण, नामान तथा भाषण बनाये रखेग और हीरानी पार्टी और या सरकार को उनका सुलापका देगा जिनमा कि भाग लगाने से ही हानि के बारे में निर्द्दिशित किया जायेगा ।

(मा) इस अन्वेषण लाइसेंस पर तेल लेता (विनियम तथा विकास) नियन्त्रियम 1948 (1948 का 63) और देशेशियम और शाहीनस नीति नियम 1954 के उत्तराधि लागू होती ।

(ट) देशेशियम अन्वेषण लाइसेंस के बारे में भाषोग बैद्यीय सरकार द्वारा बनायी रखी एक ऐसे जाने पाए वसानेत्र भर कर देता जो समुद्री लेहों के लिए व्यवहार्य हीगा ।

(ड) भाषोग बैद्यी/शर्तेशी भाषोगों/सर्वेषणों के द्वारा एकत्र लिए गए बाहीनीद्विक सरही नमूने, धारा और चुम्मीय आकृति यथा सामान्य लप्प में इस संक्षेप, नीचेना सुलापका को प्रस्तुत करेगा ।

(इ) भाषोग समुद्री विकास आकृतों की सूचना सूचित करता है ।

(इ) संग्रही आकृते भारत में संकलित किये जाते हैं ।

(ग) यदि विदेशी वलपोत की वर्णनण पर लगाया जाता है तो सर्वेष्व मूल करते हैं पूर्ण उनका भारतीय नीचेना विशेषज्ञ अधिकारी द्वारा नीचेना सुरक्षा निरीक्षण किया जायेगा । भारत में ऐसे जलनीतों के बारे में कम से कम एक भात् पूर्ण नोटिस दिया जाना चाहिए ताकि निरीक्षण वज्र की प्रतिनियुक्ति में सुविधा हो ।

(ह) इस सर्वेष्व में भाषोग द्वारा समुद्री आकृतों की नीतार की गई संपूर्ण प्रति नीचेना सुलापका तथा सुष्ठुप्त द्वारा द्वारा को नियुक्त संपत्ति करायी जाती है ।

भनुद्धुर्भी “क”

कल्प भगवान के लक्षण—I विस्तारण एक के 360 वां विशेषीद्वारा के भीतरिक विवरण ।

पाइठ	विवरण	विवरण
ए	$23^{\circ} 14' 10''$	$68^{\circ} 10' 00''$
बी	$23^{\circ} 14' 10''$	$68^{\circ} 30' 00''$
सी	$23^{\circ} 00' 00''$	$68^{\circ} 30' 00''$
डी	$23^{\circ} 00' 00''$	$68^{\circ} 10' 00''$

## अनुमूली—ब

अशोधित लेख, कैरिएट्रॉव काल्डेसेट तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन तथा उसके मूल्य सहित मामिक विवरण  
के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस

## लेखकाल

माहू तथा वर्ष

क. अशोधित लेख

कुल प्राप्त मी. ८० टन की सं.	अपरिहार्य रूप से खोये भयवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी. ८० टन की सं.	नेत्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्ये हेतु प्रयोग किये गये मी. ८० टनों की सं.	कालम २ और ३ को घटाकर प्राप्त भी. टन की संख्या	टिप्पणी
१	२	३	४	५

## ब. कैरिएट्रॉव काल्डेसेट

प्राप्त किये गये कुल मी. ८० टन की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये भयवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी. ८० टन की संख्या	नेत्रीय सरकार द्वारा अनु- मोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्ये घटाकर प्राप्त भी. हेतु प्रयोग किये गये मी. ८० टनों टन की संख्या की सं.	कालम २ और ३ को घटाकर प्राप्त भी. टन की संख्या	टिप्पणी
१	२	३	४	५

## ग. प्राकृतिक गैस

कुल प्राप्त चन मीटरों की सं.	अपरिहार्य रूप से खोये भयवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये गए चन मीटरों की संख्या	नेत्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्ये हेतु प्रयोग किये गये चन मीटरों की संख्या	कालम २ और ३ को घटाकर प्राप्त चन मीटरों की संख्या	टिप्पणी
१	२	३	४	५

एतद् द्वारा मैं श्री ..... सत्य निष्ठापूर्वक घोषणा एवं पुष्टि करता हूँ  
कि इस विवरण में दी गई सूचना पूर्ण रूपेण सत्य और सही है, उसे सही समझते हुए मैं इन अस्तकारण से और सत्यगिता से यह  
घोषणा करता हूँ ।

भारत के राष्ट्रपति के आवेदन से उथा उम्मेद नाम पर ।

हस्ताक्षर—

(मेरिवन मार्टिन)  
डेस्क अधिकारी

श्रीधोगिंह विकास विहार  
नक्काशी विकास महानगरपालक  
नई विल्हेल्मी, विनोक 28 फ़िटवर 1991  
लखनऊ

सं० सिर्वैमिक/11(21)/११—भारत मण्डप में सिर्वैमिक उद्योग के लिए इस मंचनालय के आदी होते की तारीख में वो वर्ष की अवधि के लिए निम्न प्रकार में एक विकास नामिका के पुरुषांगम करते का लिखित लिया है :—

1. श्री दी० बंकटेश्वर चाल, मेयसर इलिया निं०, ८२, चौमार, गोद, मगांग-६०००२८	भवित्व	
2. श्री एम० श्री० बसाक श्रीधोगिंह विकास विहार दुधोग भवन, नई विल्हेल्मी ।	संवर्धन	
3. विवेक (श्री० श्री० एम० अनुभाग) श्रीधोगिंह विकास विहार दुधोग भवन, नई विल्हेल्मी ।	संवर्धन	
4. विकास शायुक्त, लखनऊ उद्योग के प्रतिनिधि तिर्थीन भवन, नई विल्हेल्मी ।	संवर्धन	
5. श्री एम० शे० शुभा दुप निवेशक, सेंट्रल अलास एवं सिर्वैमिक इलेक्ट्रो इस्टीचूट, कलकत्ता-७०००३२	संवर्धन	
6. भारतीय बाल अनुरोद के प्रतिनिधि इन्डिया भवन, विकास वाइस्प्रेस, लालपुर-४४०००१	संवर्धन	
7. भारतीय मानक अनुरोद के प्रतिनिधि मानक भवन, १०, लालपुर, लाल जफर मर्मी, नई विल्हेल्मी-११०००२	संवर्धन	
8. श्री श्री० एम० राधा, दुप भवन प्रबन्धक, श्री० एम० ए० एम० इन्डिया एवं सीलेन विल्हेल्मी, पो० लाल म० १२४५, कलकत्ता-६०००१२	संवर्धन	
9. श्री आर० शे० सीमानी, भवित्व, हिन्दूस्टान टेलीविएर एवं हाइस्ट्रील निं०, लालपुर गढ़, लिला गैहतक (हरियाणा)	संवर्धन	
10. श्री एम० उमाकाश, महाप्रबन्धक, ६० शाह० श्री० रेणी निं०, रामपेट, नार्दे बरकोट, नवीननगर	संवर्धन	
11. श्री एम० नायक प्रबन्ध निवेशक, रिजिस्ट्री सिर्वैमिक निं०, एम० एम० हालस, विराग असी नेता, हृषीकेश-३००००१	संवर्धन	
12. श्री एम० शे० लुलान उपायका, कर्नैश्वरा सिर्वैमिक सी०-२, इस्ट आक लैलाक, नई विल्हेल्मी-११००६५	संवर्धन	
13. श्री श्री० ए० कोरियन, एम० ए० शाह० जानकर इलिया निं० लाल भैलाल, १३२ ए० शीसेंट शेष, बम्है-४०००१८	संवर्धन	
14. श्री ए० शे० कालपन्न, महाप्रबन्धक, म० इगलिया इलिया निं० लिं० “जैली” विल्हेल्मी-६०५०२१	संवर्धन	
15. श्री श्री० एम० लोधा प्रबन्ध निवेशक, श्री० जयपी इल्लौडर्म, १५-८० वेमला बालू भरती कलकत्ता-७	संवर्धन	
16. श्री वे० कपूर, वायप, व० ब्रिटिशी ओटोरीज निं० ११, डाक्सादाय मार्मी, नई विल्हेल्मी-११०००१	संवर्धन	
17. प्रबन्ध निवेशक स्पोर्टि सिर्वैमिक इलेक्ट्रोल निं० श्री-२१ एम० शाह० श्री० ए० सतपुर नामिक-४२२००७ ।	संवर्धन	
18. श्री श्री० एम० अमनाल, प्रबन्ध निवेशक, जोरो लोटीग ए० वल्लै निं० जीका, बायमण्ड हाईवर गोद, कलकत्ता ।	संवर्धन	
19. श्री श्री० श्री० शीठारी, प्रबन्ध निवेशक, मधुपुरल सिर्वैमिक निं० सहमतवाब ।	संवर्धन	
20. श्री जी० शे० लगान, प्रबन्ध निवेशक, श्री० लगान लोटीज निं०, ११, सरीजनी लालू भरती कलकत्ता-८०००१	संवर्धन	
21. शा० एम० शे० जर्मी, लहायक विकास अविकारी त० निं० स० निं०, नई विल्हेल्मी ।	संवर्धन-संविधान	
2. नामिका के विवारण विवरण निम्नलिखित होते :—		
1. उद्योग की मौजूदा स्थिति की उपलब्ध समीक्षा करता तथा उसके आदी विकास के लिए जलता, जलावाह, यांत्र का अनुमान दीर्घ अवधियां हो द्वारा करते की विकासित करता ।		
2. श्रीधोगिंही के नर्तमान लैल का अवधियन करता तथा श्रीधोगिंही के उद्योग के उत्पाद के लिए अधिक्षय की श्रीधोगिंही का अनुमान लगाता ।		
3. कच्चे माल तथा ईमान के लिए लिये उत्पादों का मूलांकन करता तथा उन्हीं एवं कच्चे माल के उत्पादों के उत्पादों का संरीकण तथा उन्हीं की वजहता की प्रक्रिया तथा श्रीधोगिंही का विकास करता ।		
4. उत्पाद एवं उपकरण के लिए सात श्रीर अवधियां के नामांत्र प्रतिस्पान के बारे में उपाय मुकाबा ।		

३ उम्म प्रीयोगिकी के लिए मकान कच्चे माल की संवादालाई का पता लगाना तथा कच्चे माल के विकास के लिए सार्वजनिक राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं/हस्तानों में उचित भारा पूँजी दी। विकास को बढ़ावा दा।

४ भिरीमिक उत्पादों का विविध समाज का पता लगाना, सार्वजनिक सेवों तथा लक्ष्यों के लोकों में विविध सर्वों के स्वरूपों विकास के लोक का पता लगाना।

५ भिरीमिक उत्पादों के विकास द्वारा वृद्धि के लिए नामिक द्वारा आवश्यक समझे जाने वाले अन्य कोई विवर।

#### आवेदन

आवेदन दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी सम्बंधित व्यक्तियों को देखी जाए। पहली भी आवेदन दिया जाता है कि आम सूचना के लिए इस संकल्प को भारत के गवर्नर में प्रकाशित किया जाए।

विवरण 1, अनुदर्श 1981

#### वकाल

सं. संबंध/4(4) 01—भारत सरकार ने रिकॉर्डी इशोग के लिए इन संकल्प के जारी होने की तारीख में १२ वर्ष की अवृद्धि के लिए भिरीमिक सरकार से विकास नामिक का प्रूषग्रन्थ करने का विर्यम दिया है।

१. श्री भारतीयाचार्य, अवस्था

प्रबन्ध निवेशक,  
मैसरी दाटा रिकॉर्डरीज लिं.,  
एस० एस० भार० [भार० निम्नलिखित  
श्री० एस० एरिया (पूर्ण)  
ममलेश्वर]

२. श्री एस० श्री० बसार०, अवस्था  
श्रीयोगिक लक्षात्तकार (प्रभारी),  
स० श्री० म० श्री०, उद्योग भवन,  
नई दिल्ली।

३. निवेशक (श्री० श्री० एस० भनुभाल०)  
श्रीयोगिक विकास विभाग,  
सच्चोग मंत्रालय, उद्योग भवन,  
नई दिल्ली।

४. श्री० श्री० (एस० एस० भार०) का एक  
प्रतिनिधि, अवस्था, नई दिल्ली।

५. श्रा० श्री० बत्तरी०, निवेशक  
केन्द्रीय लक्षात्तकार (प्रभारी),  
संस्थान, कलकत्ता-700032।

६. निवेशक, अवस्था  
श्रीयोगिक लक्षात्तकार (प्रभारी),  
ममलेश्वर-440001।

७. श्री संयद सुरीरहोया,  
प्रबन्ध निवेशक,  
मैसरी दाटा रिकॉर्डरीज लिं.,  
८१८३, भोगलाल लैन रोड,  
बालीर लक्षात्तकार्यालय,  
मैसरी-८३८३०२।

८. अवस्था, अवस्था  
श्री० भारतीय एकाम श्री० डलाल कौर,  
अकालीन, पहला तला,  
शारीरन लाइट,  
दिल्ली।

९ अवस्था, संवाद  
जीवित भारतीय लक्षात्तकार संघ,  
६१२, नई दिल्ली हाउस,

२८, बाहुदारी रोड,  
नई दिल्ली-११०००१।

१० अवस्था, संवाद

भारतीय रिकॉर्डरी निम्नांकनी संघ,  
८, नेताजी सुभद्रा रोड,  
कलकत्ता-७००००१।

११ अवेदन, संवाद

भारतीय मानक घूर्णी,  
फिलोक्रान्त जॉकर मार्क,  
नई दिल्ली।

१२. श्री ए० के० बट्टी, नवस्थ

मैसरी ए० श्री० श्री० लिं.,  
(केन्द्रीय अनुसंधान संस्कार)  
वारो, महाराष्ट्र।

१३. श्री श्री० एस० श्री०, संवाद

श्री० श्री० एस० (स्टीय तथा रिफेलरी)  
भार तथा श्री० सेल, रोडी,  
दिल्ली।

१४. श्रा० ए० भार० संवाद, संवाद

निवेशक (तकनीकी)  
मैसरी भारत रिकॉर्डरी लिं.,  
बोलारी (दिल्ली)।

१५. श्री भार० श्री० के० निली, संवाद

पण मन्त्रालय,  
रिकॉर्डरी प्रभारी,  
मैसरी बालीरहोया पूर्णर्वसु,  
(२८, ग्रामीण रोड,  
मैसरी-८००००१।

१६. श्री भार० ए० डाकमिया, संवाद

मैसरी घोड़ीसा इशोग लिं.,  
उचित मगर घोड़ीसा।

१७. श्री के० श्री० भूत्तुलवाला, संवाद

मैसरी घोड़ीसा उद्योग लिं.,  
उचित मगर घोड़ीसा।

१८. श्री एस० श्री० राजगारिया, संवाद

मैसरी घोरिएल एस०सिंह लिं.,  
घंसल मध्य, कलतूरवा गांडी भाग,  
नई दिल्ली।

१९. श्री सुशील शर्मा, संवाद

मैसरी इशो-प्लॉट्टर्स लिं.,  
३, नेताजी सुभद्रा रोड,  
कलकत्ता-७००००१।

२०. श्री श्री० श्री०, संवाद संचित

विकास अधिकारी,  
१० श्री० म० श्री०, उद्योग भवन,  
नई दिल्ली।

नामिका के विवारण विवर मिस्त्रिवित होने :—

- उद्योग की वस्त्रभाल स्थिति श्री० समीक्षा करता, संविधय में इसके विकास के लिए विविध संघ, जों का मूल्यांकन करता तथा अन्यानों को पूरा करने के लिए देता।

2. ऐ. प्रौद्योगिकी के स्तर का मुख्यालय करता रहा इसे बांधित स्तर पर राजे के लिए इसके उपयोग के सम्बंधित उपायों तथा नवा नाइनिकोकरण के लिए उपाय सूचना ।
- बी. विकास के स्तर पर विकार करता रहा विजाहन/प्रक्रिया जैसे कि प्राचीनिक है, के विकास के लिए उपाय सूचना ।
3. वस्तु तथा उर्जा उपयोग के लिए मानवों के संरक्षण में सकारात्मक, इसके उपयोग में कठीन करने के लिए क्रम उठाने तथा अमर्ता और उत्पादन में सुधार के लिए धूताह देना ।
4. उद्योग के विभिन्न शैली के लिए आर्थिक तथा बांधित उत्पादन मापदण्डों के सम्बन्ध में सकारात्मक देना ।
5. उत्पाद, इसके उपरी पश्चात्, तथा अवयवों के आयात—प्रतिरक्षण के लिए उपायों को देना ।
6. कल्याण पश्चाती की जागृति के शैली तथा उपयोग के शैली को व्याप में रखने द्वारा उपयोग के विकास तथा शैलीय विकास के प्राचल पर सकारात्मक है ।
7. उद्योग के विकास तथा उत्पादित के लिए किसी भी पहलू पर जिसे नामिक महत्वपूर्ण समझती हो, विकार करता ।

## नोट

यह आवेदा दिया जाता है कि संक्षय की एक एक प्रति सभी सम्बंधित व्यक्तियों को देख दी जाए । यह भी आवेदा दिया जाता है कि सामान्य सूचना के लिए उत्पाद भी भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

मदन मोहन,  
विदेश (प्रसापन)

## अम भूजाल

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1991

मा. क्यू-18012/2/80-ई० एम० ए० (काल्प्य० ई०) ( )—केन्द्रीय आर्थिक विकास बोर्ड के नियम तथा विविध के नियम 4 (V) तथा (VII) के माध्यम संवित नियम 3 (iii) के अनुसरण में भारत सरकार भी निरीक भारत राज, अध्यक, इटक, विपुरा शास्त्र को भी पी० एम० एम० बाहोदार, संगठन संवित, इटक विपुरा ह के स्थान पर केन्द्रीय आर्थिक विकास बोर्ड में भारतीय राष्ट्रीय देश प्रतिपत्ति वाप्रेत का प्रतिविवित करते हुए इस अधिकृतन के जारी होने भी भारी रूप से केन्द्रीय आर्थिक विकास बोर्ड के संवरप के काम में विषयन करती है ।

2. भारत के राजपत्र भाग-1, भाग-1, में प्रकाशित तथा सम्बुद्धय पर संबोधित अम मंत्रालय की अधिकृतना स० क्यू-18012/2/80-ई० एम० ए० (काल्प्य० ई०) दिनांक 25 जून, 1990 में तदनुसार भिन्न-भिन्न विवित परिचय दिये जायेंगे ।

(I) विद्यमान प्रविष्टि के लिए : जारीत :—

"1. भी पी० एम० बाहोदार,  
संगठन संवित, इटक, पोस्ट बाक्स न० 38,  
विदेश फूक्त सरग, विष्णुगढ़-786001"

(II) के स्थान पर नियमित प्रविष्टि भी जारीत, भारीत :—

"1. भी विदेश भारत वास,  
अध्यक, इटक विपुरा शास्त्र,  
मार्केट विष्णुगढ़ वाय सलूर सुनिधन,  
हृष्णा नगर, नुगानपली,  
पो० ए०—भगवन्नपत्ता-786001,  
परिचयी विष्णुगढ़"

पी० एम० लोकाना,  
संघर्ष राजिय

## इस्तात भीर भाल मंत्रालय

## नियमावली

नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर 1991

मा. ए. 4/3/91-एम ठ(V)—नियमित नियम पर्वो भी भारत के लिए 1992 में हष नोक सेवा आयोग द्वारा भी जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा की नियमावली जल संसाधन मंत्रालय को भाग्यिता से संवृद्धिकारण की जानकारी को लिए प्राप्तिशास की जाती है :—

पर्व- I (भारतीय भूविज्ञानिक संबोधक, इस्तात पर्व भाल मंत्रालय के पद)

(1) वैज्ञानिक "ए" अम भू-विज्ञानी (कॉनिष्ट) ग्रुप क और

(2) सहायक अम भू-विज्ञानी ग्रुप क

पर्व-II (केन्द्रीय भू-भाल ओड० जल संसाधन मंत्रालय के पद)

(1) वैज्ञानिक "ए" (कॉनिष्ट अम, भू-विज्ञानी) ग्रुप "ए"

(2) सहायक अम भू-विज्ञानी ग्रुप "ए"

1. उम्मीदवार उपर्युक्त पदग्राही में से किसी एक या दोनों के लिए प्रतियोगी हो यक्ता है । उसे अपने जांचेन-प्रक्र में उन पदों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए । विजेते लिए उह वर्गीकरण कम में विकार किए जाने का हृत्तक है ।

जिस एक वर्ग/क्लास के लिए उम्मीदवार परीक्षा में छैठ रहे हैं उनके संबंध में उम्मीदवार द्वारा निर्दिष्ट गर्नेक्षणार्थी को गरिकर्ता संबंधी किसी भावरोध पर तब तक हितार नहीं किया जाएगा जब तक कि उस प्रकार की परिवर्तन गे भावधार अस्वीकृत रोजगार समावाह में लिङ्गित परीक्षा के परिणाम के प्रकाशन को तारीख के 30 दिन के अन्तर द्वारा उसके अंत तक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त न हो जाए ।

2. उक्त परीक्षा के नियमान के आधार पर नियमित शास्त्र में अस्थाई रूप में की जाएगी । जैसे ही एक विवित विभागीय विभागी उम्मीदवार अपनी कार्यी में स्थाई रूप से नियमित कर दिए जाएंगे ।

3. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भी जारी रिक्तियों की संख्या अपेक्षा ज्ञात जाने की गयी तो दिस में लिंगित की जाएगी । अनसंकेत जारीयों और भनसंकेत जन जारीयों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों की ग्राहकण भान्धार द्वारा विभागीय रूप से किए जाएंगे ।

4. आयोग द्वारा यह परीक्षा इस विभागी के परिणाम-1 में नियमित रूप से आयोजित की जाएगी ।

परीक्षा कब और कहाँ होगी यह आयोग इकारा निश्चित किया जाएगा ।

### 5. कोइर्स उम्मीदवार या तो :—

- (क) भारत का नामिक हो, या
- (ख) वेपाल की प्रजा हो, या
- (ग) भूटान की प्रजा हो, या
- (घ) भारत में स्थाई निवास के इकादे में 1 जनवरी 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती लोगों वर्षीय हो, या
- (छ) भारत में रथाई विवास के इकादे में पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कीनिंग, उगांगा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टगानिका और ज़ंजीबार) के पूर्वी अधिकारी वंशों या जापनिया, मलायी, जैन, इंडोचिनिया और विहगनाम से प्रवृत्ति कर आया हुआ मूल भारतीय व्यक्ति हो ।

किन्तु शर्त यह है कि उपर्युक्त वर्ष (क), (ग), (घ) और (छ) से संबंधित उम्मीदवारों को सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो ।

जिस उम्मीदवार के मामले में पापता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है । किन्तु उसी नियमित प्रसाधन के बाल तभी किया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पापता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो ।

6. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु पहली जनवरी, 1992 को 21 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 30 वर्ष पूरी न हो तो अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी 1962 से पहले और पहली जनवरी, 1971 के बाद न हुआ हो ।

(ख) यदि निम्ननियत वर्षों के सरकारी कर्मचारी तीनों के कालम 1 में उल्लिङ्गित किसी विभाग में नियोजित हो और यदि ऐसे कालम 2 में उल्लिङ्गित समस्तीय पद (पदों) हों तो उनके कालम 1 में उल्लित आयु सीमा में अधिकतम 7 वर्ष की छूट दी जाएगी ।

कालम	कालम
1	2
भारतीय सू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण	पू-विज्ञानी (कनिष्ठ) सूप “क” सहायक पू-विज्ञानी सूप “ख” वैज्ञानिक “ख”
केन्द्रीय सू-जल बोर्ड	(कनिष्ठ जल भू-विज्ञानी) सूप ‘क’ सहायक जल भू-विज्ञानी सूप “ख”

(ग) निम्ननियत विधीयों में उपर नियमित उत्तरी जाय सीमा में और छूट दी जाएगी ।—

- (1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;

(2) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यार्थीत हुआ हो या हृतिकर आया या आने वाला भारत सूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;

(3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित अन्यान्य जाति का हो तो और अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यार्थीत हुआ या हृतिकर आया या आने वाला भारत सूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;

(4) पश्च देश के साथ संबंध में या अंतर्राष्ट्रीय देशों में कार्यवाही के दौरान विकासांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मूलत हुए रक्षा सेवा के कार्यकारी के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष;

(5) पश्च देश के साथ संबंध में या अंतर्राष्ट्रीय देशों में कार्यवाही के दौरान विकासांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मूलत हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के कार्यकारी के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष;

(6) यिन भूतपूर्व सौनिकों (कमीशन प्राप्त अधिकारीयों तथा आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारीयों/अल्पसंखित येवा कमीशन प्राप्त अधिकारीयों सहित) ने 1 जनवरी, 1992 को कम से कम 5 वर्ष की सौनिक सेवा की है और जो करारावार या अधिकारी जो आधार पर व्यास्त या सौनिक सेवा से हुए शारीरिक वर्गता या अधमता के कारण कार्यमूलक न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समाप्त पर कार्यमूलक हुए हैं (इनमें वे भी सौनिमित न हुए जिसका कार्यकाल 1 जनवरी 1992 से एक वर्ष के अन्दर पूरा होना है) उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक;

(7) यिन भूतपूर्व सौनिकों (कमीशन प्राप्त अधिकारीयों तथा आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारीयों/अल्पसंखित येवा कमीशन प्राप्त अधिकारीयों सहित) ने 1 जनवरी 1992 को कम से कम 10 वर्ष की सौनिक सेवा की है और जो करारावार या अधिकारी जो आधार पर व्यास्त या सौनिक सेवा से हुए शारीरिक वर्गता या अधमता के कारण कार्यमूलक न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समाप्त पर कार्यमूलक हुए हैं (इनमें वे भी सौनिमित न हुए जिसका कार्यकाल 1 जनवरी 1992 से 1 वर्ष है तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के हुए उसके मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष तक);

(8) आपालकाशीन कमीशन अधिकारियों/अध्यकारियों के मामले में अधिकतम 5 वर्ष जिन्होंने सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारंभिक अवधि । जनवरी 1992 तक पूरी कर ली है, और जिनकी नियुक्ति 5 वर्ष से अधिक बढ़ाई गई हो तभी जिनके मामले में एक भवालय को एक प्रमाण-पत्र जारी करना होता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और उन्होंने पर नियुक्ति का प्रस्ताव प्राप्त करने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा ।

(9) अनुभूचित जाति अधिकारी अनुभूचित जनजाति के एसें आपालकाशीन कमीशन अधिकारियों/अध्यकारियों के मामले में अधिकतम 10 वर्ष जिन्होंने सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारंभिक अवधि । जनवरी, 1992 तक पूरी कर ली है और जिनकी नियुक्ति 5 वर्ष से अधिक बढ़ाई गई हो तभी जिनके मामले में एक भवालय को एक प्रमाण-पत्र जारी करना होता है कि वे उन्होंने पर नियुक्ति का प्रस्ताव प्राप्त करने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा ।

टिप्पणी 1 : भूतपूर्व सैनिक शब्द उन व्यक्तियों पर काहू होता जिन्हें समय-समय पर यथा संशोधित भूतपूर्व सैनिक (सिविल सेवा और पद में पृष्ठ: रोजगार) नियम, 1979 के अधीन भूतपूर्व सैनिक के रूप में परिभाषित किया जाता है ।

टिप्पणी 2 : भूतपूर्व सैनिक जिन्होंने अपने पृष्ठ: रोजगार होते भूतपूर्व सैनिकों को विए जाने वाले लालों को जेने के बाद सिविल भेज में सरकारी नौकरी पहले ही जैसी है, वे उपर्युक्त नियमाबली के नियम 6 (ग) (6) और 6 (ग) (7) के अधीन आवेदन किसी भी रूप से छूट महीं वी जा सकती ।

उन्हर की एहु घटना के लालकार निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती ।

#### ध्यान पूर्व —

(1) जिस उम्मीदवार को नियम 6(ग) के अधीन परीक्षा में प्रवेश हो विधा गया हो और उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी यदि यान्त्रिक-पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा से पहले या परीक्षा बनेने के बाद सेवा से व्यापत हो वहाँ हो या परीक्षा बनेने के बाद आवेदन कर दी जाती है । किन्तु आवेदन-पत्र के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छुट्टी हो जाती है तो वह पात्र बना रहेगा ।

(2) जो उम्मीदवार अपने विभाग को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अप्य विभाग/कार्यालय को रथानास्तीरत हो जाता है वह उस पर

(पत्र) होते विभागीय आयु संघर्षी रियालन सेक्टर इतिहासिक भूमिका में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानान्तरण में होने पर रहता, वर्षां के उसका आवेदन-पत्र विधिवत अनुचित रहता रहता होने के मूल विभाग व्यापार अवैधित कर दिया जाता है ।

#### 7. उम्मीदवार के पात्र —

(क) भारत के कोइ या राष्ट्र विभान मंडल के अधिकारियम द्वारा विधिमित किसी विवरितालय की या संसद के अधिनियम द्वारा इतिहासित या विवरितालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की आया 3 के अधीन विवरितालय के रूप में मात्र घोषित किसी इन्द्र विभासां से भू-विभान या प्रयुक्त भू-विभान या सभूत भू-विभान से "मास्टर" किसी, या

(ए) भारतीय आम विधायक भवनाव से प्रयुक्त भू-विभान में एसेंप्लाइटमेंट का दिव्योमा, या

(ग) किसी मान्यताप्राप्त विवरितालय से उत्तिज आवेदन में सास्टर दिव्यी (केवल भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वोक्षण के अधीन) के लिए, या

(घ) किसी मान्यताप्राप्त विवरितालय से जल-भू-विभान में सास्टर दिव्यी (केवल केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के पात्र होता) ।

टिप्पणी 1 : —यदि उम्मीदवार एसें परीक्षा में बैठ चूका हो तो उसे उत्तीर्ण कर सेने पर वह परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर उसी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना में दिखी हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पात्र के लिए आवेदन कर सकता है । जो उम्मीदवार इस प्रकार की अद्वैत परीक्षा में बैठना चाहता है, वह भी आवेदन कर सकता है । एसें उम्मीदवारों को, यदि वे अन्यथा पात्र हों तो परीक्षा में बैठने दिया जाएगा । परम्परा परीक्षा में बैठने की वह अनुमति अनन्तिम आयोग द्वारा दी जाएगी और यदि वे अद्वैत परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 26 अगस्त, 1992 तक प्रस्तुत नहीं करते तो वह अनुमति रद्द की जा सकती है ।

टिप्पणी 2 : —विसेष परिस्थितियों में संघ जोक सेवा आयोग एसें किसी उम्मीदवार को भी संभिक एवं से शोष्य मात्र सकता है जिसके पात्र इस विषय में निहित अहंताओं में से कोई अहंता न हो, वर्षां के उम्मीदवार ने किसी उस्था व्यापार से गहरी कोई एसें परीक्षा पात्र कर नी हो जिसके सारे आयोग के मतानुसार एसें होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में प्रयोग उचित ल्हर सके ।

टिप्पणी 3 : —जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अहंता प्राप्त कर दी है जिसके पात्र विवेसी विधिमितालय की दिव्यी है, तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उसे आयोग की विभाग पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है ।

8. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में विधारित प्राप्त का भूतान्तर अवश्य करना चाहिए ।

9. जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक पार्वीनक दूर करनेवाली में इतर स्थाई या अस्थाई हैंमियत से या फार्म प्रभारित करनेवालीयों की हैंसियत से काम कर रहे हैं या जो साधी-जनिक उच्चमों से कार्यरत हैं उन्हें यह बधान (बंडरटैकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से बधान कार्यशाला/विभाग के प्रधान को मूलिकत कर दिया है कि उन्होंने इस परोक्ष के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों में भान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके लियाकर्ता में उनके उपर परीक्षा के लिए आवेदन करते/परीक्षा में बैठते से सम्बद्ध अनुमति राखते हुए कोई ऐसा मिलता है तो उनका आवधन-वक्त अस्थीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

10. उपर परीक्षा में बैठते के लिए उम्मीदवार की पात्रता या मापदण्ड के दौर में आयोग का विषय अंतिम होगा।

11. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तक तक नहीं बैठते दिया जाएगा जब तक उनके पास आयोग का प्रबंध दसाण-पत्र (सीट-फिल्टर आफ एवं मार्शल) न हो।

## 12. जिस उम्मीदवार ने :—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) माम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छह रुपये के साथ कार्य सामग्री कारबंध में फोरेवल किया गया हो, अथवा
- (4) जाली प्रक्रिया या एक्स-प्रलेक्ष प्रस्तुत किए हैं जिनमें एधों में फोरेवल किया गया हो, अथवा
- (5) गत या अभी अक्षय दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण अध्ययन को छोड़ा दिया है, अथवा
- (6) परीक्षा में उम्मीदवार के संबंध में किसी अस्थि विभिन्न विधि अवधारणा अनुचित उपायों का सहारा दिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित सामग्री का प्रयोग किया हो, अथवा
- (8) उत्तर पूर्सिकायों पर असंगत बातें दियी हों जो अक्षय भाषा में या अभूत भाषा में या अभूत भाष्य की हों, अथवा
- (9) परीक्षा भवत में और किसी प्रकृत का दूषितवाहक किया हो, अथवा
- (10) परीक्षा बसाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्त्तव्यालिकों को परेक्षाल किया हो, अथवा प्रकार की शारीरिक अवृत्ति पहुंचाई हो, अथवा
- (11) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रीतित प्रबंध दसाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुमति का उल्लंघन किया हो,
- (12) पूर्वित बंदों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने का प्रयोग किया हो या करने की प्रेरणा ही हो, जैसी भी विस्तृत हो तो उस पर आपराधिक

अभियोग (प्रिमिसल ग्रासीक्यूशन) जसाया जा सकता है और इसके साथ ही उसे :—

(क) आयोग उस परीक्षा से जिसका यह उम्मीदवार है उठने के लिए अयोग्य घोरणा जा सकता है तथा/अथवा,

(ख) उस स्थाई रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए

(1) आयोग द्वारा जी जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा अयन से,

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से

दायर किया जा सकता है, और

(ग) यदि यह सरकार के बंतर्भूत पहले से ही सेवा में है तो उसके विश्वास उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है। किन्तु यह ही है कि इस नियम के अधीन कोई वासिता तक तक नहीं वी जाएगी जब तक :

(1) उम्मीदवार इस संबंध में जो लिखित अभ्यासेन द्वारा उसे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुशासन समय में यदि कोई अभ्यासेन प्रस्तुत किया गया हो तो उस पर विचार न कर दिया गया हो ।

13. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा अपनी विश्वास पर नियमित अनुशासन अनुकूल बैक प्राप्त कर जाते हैं उन्हें अविकल्प परीक्षण हृतु साकालकार के लिए घूलाया जाएगा ।

परन्तु यदि आयोग के मतानुसार सामान्य स्तर के आधार पर अनुशूलित जातियों और अनुशूलित जनजातियों के लिए कार्रवाई दिलाईयों के भर्ते के लिए इन जातियों के उम्मीदवार परीक्षा संस्कार ने अविकल्प परीक्षण के लिए साकालकार हृतु नहीं घूला जा सकते हैं तो आयोग उनको स्तर में छटू बैकर अविकल्प परीक्षण हृतु साकालकार के लिए घूला सकता है ।

14. (1) साकालकार के बाब आयोग प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा अंतिम रूप से प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता कम से उम्मीदवारों की सूची बनाएगा और उसी कम से उस उम्मीदवारों में से जिन्हें आयोग योग्य समझेगा उनकी उस अवारोक्षण विभिन्नों पर नियुक्ति के लिए अनुशासन करेगा जिन्हें इस परोक्ष के परिणाम के आधार पर भेज जाता है।

(2) आयोग द्वारा अनुशूलित जाति तथा अनुशूलित जनजाति के उम्मीदवारों को, अनुशूलित जाति तथा अनुशूलित जनजाति के लिए आरक्षित विभिन्नों की संख्या तक, स्तर में छटू बैकर सिफारिश की जा सकती किन्तु यह ही है कि ये उम्मीदवार सेवा पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हैं ।

परम् अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के पो उम्मीद-यार जना अमीशायों के उम्मीदवारों के साथ-साथ इस उपनियम में दर्शित किसी छूट का लाभ उठाए बिना जाते हैं। उनका साधारण अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए आरीक्षण विविधताओं से नहीं किया जाएगा।

15. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की भूमिका किस रूप में और किस प्रकार वी जाए इसका निर्णय जायेग स्वयं करेगा और जायेग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पक्ष व्यवहार नहीं करेगा।

16. परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार व्यापार आवेदन-पक्ष में विभिन्न पक्षों के लिए बताए गए अधिकार जम दर जायेग व्यापार व्यवस्था भान दिया जाएगा।

17. उम्मीदा में पास हो जाने भाव से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं भिज जाता है। इसके लिए जावयवक्त है कि सरण्यार आवेदनकलामुमार घोष करके इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार वरिच हथा पूर्ववृत्त की रूप से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से प्रबन्धन है।

18. उम्मीदवार को मानसिक और जारीरीक दोनों में स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा जारीरीक व्योप नहीं होना चाहिए। आ सर्वोभित सेवा के विधिवारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कलशतापूर्वक निभाने में जाधक हो। यदि विविहूत डाक्टरी पराक्षा के बाद व्यापारांश्वति सरकार या नियुक्ति प्राप्तिकारी व्यापार अधिकारीको जाए किसी उम्मीदवार के बारे में पहले हुआ कि वह इस पार्टी को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं का जाएगा। ऐसा सम्मानवारा का भियुक्त करें जान का सम्भवना हैं क्षेत्र उम्मीदवार की डाक्टरी पराक्षा का आएगी। डाक्टरी पराक्षा के समय उम्मीदवार लूक्म के कर्य में रु. 16.00 (क्षेत्र सालहू रुपय) का भुगतान मानकम बाज़ और करें।

**दाट :**—निराशा से बाबने के लिए उम्मीदवारों की सज्जाह वी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले लांबीक दर्जन स्तर के सरकारी विविहूता वाप्रकारी से अपनी डाक्टरी जारी करा सकें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन डाक्टरी परीक्षाओं से गुजरना होता है के स्वयं के विवरण और मानक परिचालन-2 में लिए गए हैं। विवरण हुए भूतपूर्व सौंचिकों को पक्ष विवेष की वर्णीयाओं के अनुसार स्तर में छूट वी जाएगी।

#### 19. जिस व्यक्ति से—

- (क) दोषे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या
- (ख) जीवित पति/पत्नी के द्वारा हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पाप नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि कोई व्यक्ति भरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह एके व्यक्ति तथा विवाह के दूरे पक्ष पर जान होने वाले व्यक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने

के लिए अन्य कारण भी है तो किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट वी जा सकती है।

20. इस परीक्षा के साधारण से लिए पक्षों के संबंध में भर्ती की जा रही है उनका संभिता विवरण परिचालन-3 में दिया गया है।

राजेश भारतीय, अबर सचिव

#### परिचालन-1

1. परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोगित की जाएगी :—

भाग 1—नीचे दी गए विषयों में सिविल परीक्षा।

भाग 2—जायेग व्यापार मालाकार होते व्यापार व्यापक उम्मीदवारों का व्यवित्तत्व परीक्षण जो अधिकतम 200 अंकों (दोहरी नीचे दी गयी 8) का है।

2. नियुक्ति परीक्षा विभिन्न विषयों में ली जाएगी :—

विषय	कोड	समय	पूछाईक में
(1) सामान्य भवेती	01	1 1/2	100 विठा
(2) भू-विज्ञान प्रश्न-पक्ष I,	02	3 घंटे	200
जिसमें सामान्य भू-विज्ञान, भू-शास्त्रि, विज्ञान, संरक्षणात्मक भू-विज्ञान, स्तरकाम विज्ञान और जीवाशम विज्ञान होंगे			
(3) भू-विज्ञान प्रश्न-पक्ष II,	03	3 घंटे	200
जिसमें फिल्टर विज्ञान, वनिज विज्ञान गैल, विज्ञान और भू-रसायन विज्ञान होंगे			
(4) भू-विज्ञान, प्रश्न-पक्ष III,	04	2 घंटे	150
जिसमें भारतीय वनिज विकास विज्ञान, अम्बेषण, वनिज अर्थशास्त्र और व्यापिक भू-विज्ञान होंगे			
(5) जल भू-विज्ञान	05	2 घंटे	150

**नोट :**—वर्षा 1 और वर्षा 2 के अंतर्गत पक्षों के लिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को उपर्युक्त सभी विषय लेने होंगे। योक्षण वर्षा 1 के अंतर्गत पक्षों के सिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को उपर्युक्त (1) से (4) तक के विषय सेवे होंगे और क्षेत्र वर्षा 2 के अंतर्गत पक्षों के लिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को (1) से (3) तक (5) तक विषय लेने होंगे।

3. सभी विषयों की परीक्षा पूर्णतः 'वस्तुपराक' (वहाँविकल्प उत्तर) प्रकार की होगी। समूहों के प्रश्नों सहित विवरण ली लिए कृपया जायेग के नोटिस के अनुबंध 2 पर "उम्मीदवारों के सूचनाएँ" विवरणिका दी गयी।

प्रश्न-पत्र (परीक्षण पुस्तिकाल) के बेस अंग्रेजी में होती है।

4. परीक्षा का स्तर और पाठ्यक्रम संलग्न अनुसूची के अनुसार होते हैं।

5. उम्मीदवारों को उत्तर मापने ही हृष्ट से शिखने वाली है। उसके उत्तर निष्ठन के सिए किसी निकले वाले की सहायता की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. आद्योग परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के लिए अलग अलग निषिद्धता का सक्ता है।

7. उम्मीदवार बस्तु परक प्रश्न पत्रों (परीक्षण पुस्तिकालों) का उत्तर देने के लिए कोलकाता एटेटोरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः ये उन्हें परीक्षा भवन में न लाएं।

8. व्यक्तिगत परीक्षण करते हुए उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता, प्रश्न तथा मेथालॉक्स, व्यवहार कूपलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक उत्तमिकता प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और चारित्रिक विषयों के विवरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

### अनुसूची

#### स्तर और पाठ्यक्रम

अंग्रेजी के प्रश्न-पत्र का स्तर एम्सा होता जिसकी अपेक्षा विज्ञान के संलग्नक से की जाती है। भूवैज्ञानिक विषय भारतीय विद्य-विद्यालय की एम्. एस्-सी. इंजीनियरिंग के सौंध और सामाजिक प्रश्नोंके विषय में एम्सा प्रश्न रखे जाएंगे जिनमें उम्मीदवारों की विषय की समझ का पता लग सके।

इन्हीं भी विषय की प्रायोगिक परीक्षा नहीं होती।

#### (1) सामान्य अंग्रेजी (कोड 01)

अंग्रेजी भाषा की समझ और अभिव्यक्त करने की शक्ति का जाओ फरमे फै फ्रेश लाइज़ जाएंगे।

#### (2) भूवैज्ञानिक प्रश्न-पत्र 1 (कोड 02)

क—सामान्य भू-उद्योग—महाबृकीप और महासागर—उनका विभाजन, विकास और उद्योग। महाबृकीपीय विद्युत्यन सहायता के संलग्नक की विवरण। भूवैज्ञानिक विषय की संकलन सुरक्षा विवरण और उनकी विवरण। समर्थित पुरावृत्तिकल्प। विषट्नामिकता और उनका भू-विज्ञान है अनुप्रयोग। भूकालन क्रम और भूकाल भूक्याल विज्ञान और भूर्भू। भू-अधिनियम। ज्यानामुखीयता। धूमीय वायर और सागर, जाह्यांयों और मध्य महासागरीय कटक कोरल रहें। पर्वतन और महादेश रचना। पर्वतनी घटक।

ब—भू-आकृति विज्ञान—भू-आकृतिक प्रक्रिय, लक्षण और उनके प्रावृत्ति। भू-आकृतिक वज्र और उनका अर्थ निर्णय। रथगामीशी और संरक्षणार्थी में उनका संर्वेषण। यहाँ।

ग—संरक्षणात्मक भू-विज्ञान—चट्टानों की भौतिक गुण। विकल्पण, भूषण और फालित्य एवं फौलियां—उनकी घाविक प्राथमिक संरक्षण वालकन और घोड़। विज्ञान अनुवंशीय और लक्षण गुम्बद। संस्कर्ता के शौर्य तथा क्षम की पहचान। विषय विन्याह पटम् विस्तृण। जैल संविन्यासी, विस्तृण।

घ—स्तरिकी—स्तरिकी के सिवृभान्त तथा साम्प्रदायित। विद्युत् स्तरिकी तथा पुराभूगोल की स्परसाइट। भूविज्ञान की विभिन्न प्रणालियों के प्रस्तुत असम्मान। वैज्ञानिक प्रणाली तथा गोड़वारा स्थानस्थिति।

भारतीय उपमहाबृकीप (भारत, राजिकान तथा विद्युत विद्या) की स्तरिकी तथा पुराभूगोल प्रमुख भारतीय शत समूह में सहृदयी। भारतीय स्तरिकी में काल विषयक समस्याएँ।

इ—पूराभूगोल (क) जीवाश्व, जलके प्रकार, सरक्षण, प्रदूधिति तथा विद्या। अक्षांशीकीयों का आकृति-विज्ञान, वर्गीकरण तथा भूविज्ञान संबंधी इतिहास, प्रवाल, भृजपाद, पटथ फलोम, एमीनोहाइटीज जेठरपाव, द्राइनोहाइटीज शूल चर्मी गटोनोहाइटीज और फार्मिनीकर्म।

(ज) गोड़वारा तथा विकार्त्तक प्राणिजाति पुरु छल वेतने हुए विश्वासीकों का प्रमुख समूह। मात्रक हाथी तथा घोड़ा का विकास वृत्।

(ग) गोड़वारा भवस्त्रीति पर बस सर्विन जीवाश्व वनरपति तथा इसका महत्व और वितरण।

(घ) गोड़वारा भवस्त्रीति फॉर्मिनीफागाइज़म के विशेष संवर्भ में इसका सहृद्य उनकी परिस्थिति-विज्ञान तथा पूराभूगोल विज्ञान।

#### (3) भूविज्ञान प्रश्न-पत्र 2 (कोड 03)

#### क—किस्टम् विज्ञान

किस्टमों को समिक्षिति तथ्य तथा वर्गीकरण। द्रूष्म—गोलीय तथा विकिम 32 क्लास (विवृत समूह)। यमसम तथा किस्टम् धूर्णिष्ठि।

#### ख—यर्णवान्त्मक व्यविष्य विज्ञान

हविज के भौतिक, रसायनिक, वैद्युत, भूम्कीय तथा धार्पीय धर्म। सिलिन्कोटों की संरचना तथा धर्मिकरण।

आनिदीन धूप, गोर्वेट धूप, एमिकोट धूप और भैलियोहट धूप। जरकान, स्कीन विलिमनाइट, एन्सालमाइट, कोयमाइट, प्लूराज, स्टार्नाइट वीरिय, कार्डिएगाइट दर भैमीन। पाइ-रायसीन धूप और एस्फोल धूप। शोलस्टोनाइट और रोडो-लाइट धूप तथा स्कैपोलाइट धूप। आयसाइट द्रूष्म-वैज्ञानिकानाइस्यूस फलत्वारा धूप सिलिको मिन्टल्स फैल्सपैथाइट धूप। जियोपाइट धूप तथा स्कैपोलाइट धूप। आक्साइट, हाइड्रोक्साइटस कार्बोनेट्स फाल्सट फैलाइट्स, सन्काइट्स तथा मर्टिंग।

#### ग—प्रकाशित व्यविष्य विज्ञान

प्रकाशिकी के भाण्डार्य सिवृधान्त। प्रकाशिक उप साधन। अप्पर्सन, विविधप्रदर्शन, विष्ट्रेप कोण, अहवर्णन। प्रकाशित विवरण, प्रकाशन अभिविन्यास परिप्रेक्षण। प्रकाशित विसंगतियाँ।

प—शैक्षणिक विज्ञान

(1) आमरेण : स्वास्थ्य संचना, गठन और वर्गीकरण ग्रेनाइट-डॉक्टराइट। माइनाइट—नेफेलाइट माइनाइट ग्रेनोरेगीहो-ग्राइट-डॉक्टर, बार्माइट, नॉब्रोफायर, वैग्माइट एलाइट, वाइंश्टाइट बार्माइट। रियोलाइट डॉक्टर, बैंकाइट एलाइट नाइट नथा बेगान्ट।

विभिन्नों मिस्टर्स में प्राथमिक निर्गम तथा सामग्री। विव-दृष्टि कथा क्रियत्व तथा। किसीकरण कठा। अभिक्रिया सिक्युरिट फ्रिस्टलीकरण—अमेक्टा। विभिन्नस्ता। आरेख। ग्राहयंत्र द्वारा निर्विचिक तथा कार्रवी वैज्ञानिक व्यापक एवं व्यापक तथा नॉब्रोफायरों का उत्पादन।

(2) वर्गादी : वर्गीकरण तथा बनावट। अवसाधों का भूत। गठन और संरक्षा। अवसाधों के प्रमुख समूहों का अध्ययन। अवसाधों का विश्लेषण। विक्षेपण की गवाहीया। पुराभागों तथा छणी विवरण। अवसाधों का निर्गम धैंचे विक्षेपणीय पर्यावरण भारी अविज्ञ तथा उनका सहेय। छिन्नी भवत तथा प्रसंगनन।

(3) कार्यक्रमी वैन : कार्यान्वयण के कारण इल्प विध्युति संरक्षा, अणी तथा यन्त्रण। कार्यान्वयी विक्षेप। व्यव्याप्ति तथा गोनाइटी अविज्ञ। अभिसंचना, फैग्नाइट, गोनोकाइट, नॉब्राइट्स, विष्ट, गाहीसोप्र और हार्टग्राइफ्सफेल्स। इनमा और ओराइनी के गंदबद्ध में व्यायान्वयण।

प—भू-रासायन विज्ञान

अवसाधों का अन्तर्गती ब्राह्मण पृथी का प्रार्थिमिक भू-रासायनिक विक्षेप, अवसाधों का भू-रासायनिक वर्गीकरण अनु-प्रौद्य अवधय/उन का रसायन विज्ञान। अवसाधों का भू-रासायन विज्ञान भू-रासायनिक वक्त तथा भू-रासायनिक पर्यावरण के विवरण।

(4) भू-विज्ञान पठन-वक्त 3 (कोड 04)प—भागीय लनिय विक्षेप

विभिन्नता भान् तथा अवधान, अवस्थों और व्यव्याधों का भार-नीय विक्षेप जा उनके विवरण, उपर्युक्त तथा उत्पादन इण्डारी के संदर्भ में हुोः—

(क) तांबा, सीमा, जल, एव्यूर्मितियम, मौर्तिश्यम लोहा, सैरानीज, क्रमिम, सौना, चाबी, टराइट तथा मौर्तिश्यम।

(ख) अभूत, बामथलाइट, ग्रैमोल्डम, गंगोट्रिम, ग्रोवाइट, जिस्म, गरिक, मर्थगान तथा अन्यरूप सैरानी, उपचापसह व्यव्याध, व्रपर्शी, तथा मौर्तिश्यम लोह, व्यव्याध, लोच, उर्वरक, सीमोट इण्डेम तथा वर्णन उत्पोग निमणी पर्यावर।

(ग) कोलामा, पेट्रोलियम, द्राघिक गैंग तथा दर्गांग उत्पादी व्यव्याध।

ल—विभिन्न अन्वेषण

पृथीय तथा अपृथीय अन्वेषण की प्रवृत्तिया क्षेत्रगत उपस्क तथा अन्वेषण हैन् भवेषत परीक्षण, अवस्थ किंवद्ध का पता बनेवाने विवेष, अवस्थक विक्षेपों का प्रतिवेष, आमापम और मूल्याकान। व्यव्याध अन्वेषण में भू-भौतिक, भू-रासायनिक तथा भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षणों का उन्नप्रयोग।

ग—विभिन्न अर्थशास्त्र

गद्दों अर्थ व्यवस्था में व्यव्याधों का सहत्व। विभिन्न उद्योगों में विभिन्न व्यव्याधों का प्रयोग। सोर्व, आर्पूर्व और अप्रियत्वापन। भारत के भूमुख व्यव्याधों का उत्पादन तथा मूल। व्यव्याध उद्योगों के अन्तर्गत्वीय पहल। सामरिक, व्यापार और अविज्ञार्थ व्यव्याध। संरक्षण तथा राष्ट्रीय व्यव्याध भीति। व्यव्याध उन्नाइन में भारत की स्थिति।

घ—आर्थिक भू-विज्ञान

व्यव्याध विक्षेप—उपण प्रक्रिया, स्थानिकीकरण का विवेषण तथा वर्गीकरण। आवश्यक भावित्वक तथा अधारित व्यव्याधों का अध्ययन तथा उनको व्यव्याधों, उपर्युक्त तथा क्रितरण के संबर्ध में विद्या गया हुो।

(5) जल-भू-विज्ञान (कोड 05)

जल-भू-विज्ञान वक्त। भूवर्षटी में जल वितरण। जलीय वक्त में भूजल आकाशी, वैमज और भैमीय वक्त और सूरोतों का उत्पन्न। जलधारी लक्षणों की व्यव्याध से इन्हों का कार्रवीकरण, जल स्थितीकी एकक। भूजल की उपरिधीत ये अनुकूल भू-वैज्ञानिक संरक्षन। भू-जल लेज। भू-जल भण्डार—जल भर, मिसजल-भूज, अवैरीटाइट्स। असेमरौ का कार्रवीकरण।

व्यव्याधों के जल-वैज्ञानिक गुणधर्म (भू-जल दंडार) — गरधूरा विक्षित अस्पौन, चूम्बकशीलता, धारगम्यता स्टोरेंटिनिटी आदी-धिक प्रवाल, लाईक्षक भारिता, विसर्जनशीलता। भू-जल भण्डार के गुणधर्मों की व्यव्याध की प्रवृत्तियाँ—जल पृथीय विधियों और प्रयोगान्वानी प्रविधियों के विवरण द्वारा व्यस्काशीलता और वार्षीकीय प्रवाल। स्टोरेंटिनिटी की प्रवाल। भू-जल की गति प्रवाने वाले वक्त। भू-जल गति के विवरण—हासी नियम के भूजल का पुनर्भूत—कृचित तथा इकूलिक, पुनर्भूत वे विवरणक वारक, भू-जल की युति और शर्पी प्रयोग।

भू-जल इन्द्रेषण की पृथीय तथा उप-पृथीय प्रविधियाँ—भू-वैज्ञानिक तथा भू-भौतिक—जल संतुलन। भू-जल विक्षेपण की प्रविधियों (कृष्ण-प्रवाल मर्यादिक उपज हैन् विभिन्न प्रकार के दौल-क्षेत्रों में कृष्ण विसर्जन की प्रवृत्तियाँ)। विभिन्न प्रकार के प्रयोगों—जल उत्पादन तथा सिंचाई मर्यादी के वैदर्भ में भू-जल के गम्यायनिक के विक्षण, जल प्रवाल।

परिचय-2

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विविदम्

ये विविदम् उम्मीदवारों की सविधा ये लिए एकान्त विकासाने हैं ताकि वे यह अनुमान समझ सकें कि अपीक्षित शारीरिक

स्वर के हैं या नहीं। ये विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षकों (मैडीकल एफ्यूमिनस्ट) के मार्ग विवरण के तिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इस विभिन्नमों में निश्चिरत न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा करनी चाहता हो उसे स्वास्थ्य परीक्षा द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता। फिल्म किसी उम्मीदवार को इन विभिन्नमों में विशिष्ट मात्रक की अनुसार स्वस्थ न मानते हाएँ भी स्वास्थ्य परीक्षा कोहैं और इस बात को अनुसन्धि होगी कि वह विविक्षित रूप में स्पष्ट कारण देते हाएँ भारत सरकार को यह अनुरूपा धर सके कि उस उम्मीदवार की सेवा में सिया जा सकता है और इससे सरकार को लोहे हानि नहीं होगी।

यह स्वस्थ रूप से समझ लेता चाहिए कि भारत सरकार को विकास बोहैं की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को अस्थीकरण ता स्थीकृत करने का पर्ण बैधिकार होगा। इस सेवाओं की भूतपूर्व विकलांग कार्यकारियों के मामले में पहाँ भी अपेक्षाओं को देखते हाएँ सर ने छठ दी चाहेगी।

1. नियमित को लिए स्वस्थ ठाराए जाने के लिए यह अक्षरी है कि उम्मीदवारों का यात्रार्थी और कार्रीरिक स्वास्थ नहीं हो और उसमें बोहैं गोंगा वारीरिक दोष में जो जिसमें नियमित के बाब वस्तापर्वक काम करने में वाधा वहने भी संभवता हो।

2. भारतीय (एंग्लोइंडियन संवित) जारी के उम्मीदवारों की बाबा, कठ और कारी की दोहैं के एस्प्रेस सेवाएँ की बाब में मौजूदकल बोहैं के उपर यह बात छोड़ दी गई है कि यह उम्मीदवारों की परीक्षा में सार्विकन के रूप में जो भी पर्याप्त सेवाएँ के अंतर्कल भवते अधिक उपयक्त यमन्त्री, धार्यकार में साये। यही बजाने, कठ और कारी ने दोहैं द्वारे विषमता होने से जांच के लिए उम्मीदवार को वापसाल में रखता चाहिए और उसकी लाती जा गवायरे लेता चाहिए। गोंगा करने के बाब जी दोहैं उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा स्वस्थ घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का यह नियमितिक विधि में गाड़ जाएगा :—

यह उपने जाने उसार देखा और उस भाग विवरण (स्ट्रॉक्स) से इस प्रकार यहाँ कठ सहा किया जाएगा। कि उसके पौछ जाते जाने में बड़े हैं और उसका बजाने सिधाया एहियों की यातों के लिए यह किसी भीर लिम्पे पर न देखे। यह किसा अक्षर दीक्षा लेता होगा और उसकी लाती जाएगी। विविक्षा विविक्षा और उसके लाती जाएगी। कठ सेंट्रीमीटरी और आधे सेंट्रीमीटरी के भागों में उपलब्ध जाएगा।

4. उम्मीदवार की लाती माटने का तरीका इस प्रकार है :—

उपरे इस भाग लाता किया जाएगा कि उसके पौछ जहे हों और उसकी भजाएँ सिर में उपर उठी हों। कठिते को लाती की दिख इस तरप्र लगाया जाएगा कि इसको उपरी किलारा उपकरण (स्ट्रॉक्स इलेक्ट्रो) को लिम्प कोलो (इन्सरीरियर गैंगलेस) के पीछे लगा रहे हों और उस कठिते के लाती के दिख लेजाने पर उसी अक्षरे स्वतंत्र (हारी-ट्रैट्स/लेन) में रहे। फिर उसको को दीर्घ लिटा

पाएगा और उसके गारीर के साथ सटका रहने दिया जाएगा। किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कल्पे उपर या पीछे की ओर व किए जाएँ ताकि कौना उपने स्थान में हट न जाए। उपर उम्मीदवार को काहैं बार गहरी सास लेने के लिए कहा जाएगा तथा लाती के अधिक से अधिक कौलाव पर उपरानी से ध्यान दिया जाएगा। और कम से कम और अधिक से अधिक कौलाव सेंट्री-मीटर में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84-89, 86-93.5 आदि। साथ रिकार्ड करने हेतु आधी सेंट्रीमीटर से कम भिन्न (प्रेस्चेस) को लोट सही करना चाहिए।

**विवेक ध्यान वे :**—अंतिम विषय करने से पूर्व उम्मीदवार का कम और लाती बो बार साथे जाने चाहिए।

5. उम्मीदवार का बजार किया जाएगा और यह किलोग्राम में होंगा। आधी किलोग्राम का उसका अंश नोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की बजार की ओर नियमितिक निष्ठों के उपरान की जाएगी। प्रत्येक बोक का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(1) सामाज्य (बजार) किसी रोग या असामान्यान (एन्नार्स-लिटर) का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की अल्पों की सामाज्य परीक्षा की जाएगी। यही उम्मीदवार की ओर अच्छा साथ सारी संरक्षनाओं (कलिष्ठानान स्ट्रॉक्स) का कोहैं एंसो रोग होने के उपर डब या आगे किसी संभव में लगे के लिए अधोग्य इन सक्ता हैं तो उसको अस्थीकृत कर दिया जाएगा।

(2) एंट्रीटी लीक्याता (बिग्राम इलेक्ट्रो) एंट्रीटी लीक्याता का नियरिंग करने के लिए बो तरह की बोक की जाएगी एक बाब की बजार के लिए और बासरी संज्ञोक की बजार के लिए। प्रत्येक बोक की बला-बला परीक्षा सी जाएगी।

उपरे के लिए बोक की बजार (बैकल आहैं निकाल) की नींव तारप्र सीमा (मिनिमम लिमिट) बोहैं ब्रोडी, लिम्प इलेक्ट्रो लातों में मौजूदकल बोहैं या अस्य एंट्रीटी लीक्याता इसे रिकार्ड किया जाएगा। अंतिम इसमें लातों की लातत के प्रारंभ लाल-सच्चा (लॉमिक ग्लारमोन) गिर जाएगी।

उपरे के साथ और उपरे के लिए एंट्रीटी लीक्याता का मात्रक नियमितिक होगा।

बोर की दिखि	निकाल की दिखि		
अल्पी	बाराव	अल्पी	बाराव
आंख	आंख	आंख	आंख
6/9	6/9	0.8	0.8
अपरा	अपरा		
6/6	6/12		

टिप्पणी (1) सायोपिभा का कृत्य परिणाम (गिरण्डर समिति) 4.00 इनी संविधान नहीं होता जाहिए। इष्टपत्र में दोपिया का कल्पना परिणाम (गिरण्डर समिति) — 4 (ii) इन संविधान नहीं होता जाहिए।

टिप्पणी (2) फण्डुक परीक्षा उड़ों तक सम्बन्ध भ्रोगा विकियामा जोड़े अपनी विविधता पर फण्डुक परीक्षा की जाएगी और परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

टिप्पणी (3) कलर विज्ञप्ति।

(1) कलर विज्ञप्ति की जांच जल्दी होती है।

(2) नीचे दी गई तारीखका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष जान उन्नतर (शाखा) और (निम्नतर) लोअर ईडों से होता जाहिए। या लोअर एार्चर के आकार पर निर्भर होगा।

रेट रंग के प्रत्यक्ष जान रंग के प्रत्यक्ष जान का उन्नतर ईड का मिन्नमर ग्रेड

1. गैस और उम्मीदियार के बीच की दूरी	4. 9 मीटर	4. 9 मीटर
2. लारक (एपर्चर) का आकार	1. 3 मिंमी	1. 3 मिंमी
3. उच्चाधन काल	5 मिनेट	5 मिनेट

भारतीय शुद्धिकार विकास के सम्बन्ध भू-विज्ञानी (एनिम्ट) नथा सहायक भू-विज्ञानी नथा कोश्युय भूमि-जन ईड से सम्बन्ध क्षितिज जान तथा भविकानी नथा कोश्युय भूमि-जन ईड से सम्बन्ध निर्णय रंग, प्रत्यक्ष जान गत्ता आदि से संबंधित गभी विकियामा प्राप्ति का स्तर उत्तम होता।

(3) जान संकेत, लड़े संकेत और रंग सो आमानी से और विकियाम के बिना पक्षवान सेवा संवेदनशील करन विज्ञप्ति है। दृष्टिक्षण को एवेंटों के एवेंटों को जिन्हें लिज गीन की नैटर्न जैसी उपर्युक्त लैटर्न और उसकी रोलनी में विवाया जाता है। कलर विज्ञप्ति की जांच करने के लिए विक्स्ट्रूल विक्स्ट्रूल गत्तीय समझा जाएगा। वैसे तो दोनों अल्पों में से किती भी एक जांच करने साधारण नथा पर्याप्त समझा जा रक्ता है। एंकियन सड़क, रेल और फ्लाई गत्तीयात से संबंधित गेवाओं के लिए ईडर्स में जांच करना याकृती है। शक याते मासने में जान उम्मीदियार को विक्सी एक जांच अरने पर क्षमता दाया जाए तो दोनों ही तरीकों से जांच करनी जाहिए।

टिप्पणी (4) ईडिंग थोर (फीड शाह विज्ञप्ति) सम्मुख विधि (कन्ट्रोलर मैट्रेट) द्वारा ईडिंग थोर की जांच की जाएगी। अब एमी जांच का नीत्रित संवेदनशील का विकियाम जैसे तब थोर को परमानी (ऐगारीन) पर विभासा दिया जाना जाहिए।

टिप्पणी (5) गैर-पै (दाढ़ लगाएन्डरेग) गैर-पै विशेष भास्तुओं को छोड़कर गैरीभी की जांच नेसी लप से जारीरी नहीं है। गैरीभी में विक्सार्ट न देने की जांच करने के लिए कोई स्टेटमेंट ईस्ट निविल नहीं है। मैट्रिकल ईड ऐसे स्ट्राम लगाएन्डर

ईस्ट कर लेने वाली जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदियार को अधिक अमर्त्य म-लाकर 20 से 30 मिनट के बाव उसमें विविध चीजों की एक्सान करता कर ईस्ट नीछाता रिकार्ड करता। उम्मीदियारों के कहने पर ही हमेशा विकास नहीं करता जाहिए किन्तु उन पर उम्मीदियार विकास दिया जाना जाहिए।

टिप्पणी : (6) ईस्ट की नीछाता म-मिल ऑड की विकास (प्राक्तन घण्टहीनम) :

(क) आंख की ओंग संवेदी वीमानी को या बदली हुए अप-वर्नन ब्रॉट (विक्रियालिक एग्ग) को, जिसके परिणाम-सम्बन्ध ईस्ट की नीछाता से कम होने की संभावना हो, अग्रोग्यता का कारण समझना जाहिए।

(ल) गोले (ट्रोली) रोले जब तक भयानक हैं साधारण अग्रोग्यता का कारण नहीं समझना जाहिए।

(ग) भैगापन : वहाँ दोनों ओंकों की ईस्ट का होना जल्दी हुई भैगापन अग्रोग्यता माना जाएगा, वहाँ ईस्ट की नीछाता निर्भावित स्मर की ही व्याप्ति न हो।

(घ) एक बाल वाला व्यक्तित्व : एक बाल यादे व्यक्तित्व की विविधित हैं अब अवधार गहरी की जाएगी।

## 7 रक्त वाल (ब्लड प्रेशर) :

इसके प्रेशर के संबंध में बोड़ अपने विषय में बताया गया है। नामित सैम्मीटम विक्रियालिक प्रेशर की वायर जाताउ विविध विषय प्रकार हैं :

(1) 15 से 25 बर्ष के यात्रा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100-आप्ट होता है।

(2) 25 बर्ष से ऊपर की व्याय वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर की आकलन में 110-आप्ट व्याय का सामान्य विषयम विकार्ड गंगोत्रजनक विकार्ड पड़ता है।

विकोड ध्याय गामान्य विषय के लिए में 140 एम् एम् जे उपर विक्रियालिक प्रेशर और 10 एम् एम् के उपर लायस्टामिक प्रेशर को भीक्षण या गात भेजा जाता और उम्मीदियार को अपेत्रिय या योग लगाने के संबंध में अपनी अंतिम गत दोनों में पहले योहू को जालिया कि उम्मीदियार को जस्ताल से रखते। असाताल में रखने की विषेट से यह भी पता लगता जाहिए कि ब्रिग्स्ट्रैट (एक्स्ट्राइम्पेट) व्यक्ति को कारण ब्लड प्रेशर बोड़ भाग रखने वाला है एवं इसका कारण कोहू कीपिक (आप्टिनिक) दीमानी है। उसे यभी गामती में ज्ञान वाला एक्स्ट्राइम्पेट और हन्केड्यान्टार्टिंगेकार्ड जांच रक्त विरक्ता निकाग (फिलटररैग) की जांच भी नेसी और पर की जाती जाहिए। फिर भी उम्मीदियार को योग्य होने वाला म होने के बाव में अविक्षय कैम्पाय लेवल मैट्रिकल ईड द्वारा दिया जाहिए।

ब्लड प्रेशर (रक्त वाल) लेने का तरीका :

नियमित पार्ग वाले व्यक्तियामी (मैट्रिकली सामोगीटर) फिल्म का उपयोग (एस्ट्रैट) हस्तोनाल करता जाहिए। विकी फिल्म के आवाय या ब्राइग्स्ट्रैट के बाव पैक्स्ट मिनट सफ रखता वाल नहीं लेना जाहिए। रोपी द्वारा या नेटा हो व्याय कि यह और विक्रोत्कर उम्मीदियार गाह विधित प्राप्त आराम से हो। योहू योहू बहुत हारी-

बंडल स्थिति भैं रोगी के पासके पर ही तथा उसके कोई स्पष्ट कापहो उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी सरकूह हवा निकाल कर धीमे की रक्षा के भूजा के बावर की ओर एक कर और उसके निकाले निकारों को कांहें के मोटे गे एक या दो हाँचे उपर करके सराना चाहिए। इसके बाद कपड़ा की पट्टी को फैला कर समाप्त रूप से लपेटना चाहिए। ताकि हवा भरने पर कोई हिम्मा कलंकर बाहर को न निकले।

कोहनी के माल पर बाहु धमनी (रॉकअल भार्टरी) को दबावदा कर दें जाता है और उसके उपर धीको-मीम स्टैंपो-स्टैप को हन्दों से नाया जाता है जो कफ के गाथ न लगे। फिर में लगभग 200एम एम एक, जो हवा भरी जाती है और उसके बावर इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है हल्की विशिष्ट धर्मियों भूताहै देने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह रिस्टान्ट के प्रेशर दरकाता है, जब और हवा निकाली जाएगी तो और उसे अधिनियंग यात्रा है पक्की। जिस स्तर पर ये माल और उसकी भूताहै पहने जानी धर्मियों हृत्यकी दबी हाँचे सी लग जाएँ तो जाते हैं हवा ग्राहकातिक प्रैशर है। बड़ा प्रेशर जानी धीरी अधिनियंग में ही ने ऐसा चाहिए क्योंकि कफ के निचे समय का दबाव रोगी के लिए आंखकारी होता है और इसमें रेफिल्यन गलत होती है। यह दोओरा पहलाल करकी जल्दी हो नी जाएँ तो पर्याप्त हवा निकाल कर कठुना दिखाते ही यात्रा ही एसा लिया जाए। कमी-कमी कफ में से इन निकलने पर एक निकलन स्तर पर धर्मियों भूताहै पहनी है दाढ़ चिरते ही ये गायब हों जाती हैं तथा नियम स्तर तक पर प्रकट हो जाती है। इस 'मालयौद गैप' में जीर्णिंग में गलती हो सकती है।

8 परीक्षक की जपस्थिति में किए गए मूल की दर्ते परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड लिया जाना चाहिए। इस मैट्रिकल धोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूल में रामायनिक जींस दबाना बहुत कठुना था अन्ते तो धोर्ड उसके सभी पहलानों की परीक्षा कर देगा। और सभीरों (डायबिटीज) के बालक विकल्प और स्थानों को भी विशेष रूप से जोड़ कर देगा। यदि धोर्ड उम्मीदवार को गलकोप में (गलकोपसरिया) के सियाय, अगोलीत मैट्रिकल रिकार्ड के मैट्रिक्स के बाबूप था तो यह उम्मीदवार को इस दर्ते के साथ फिट बोकित कर सकता है इसका गलकोप सीरी (अधिकृती जान डायबिटीज) है और धोर्ड इस लैस की मैट्रिकल की किसी दैसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रांतीगांधी की सुविधाएँ हैं। मैट्रिकल विशेषज्ञ स्टैम्पर्ड बड़ा लग्न दातारें टैस्ट समेत जो भी बहसी-विकल्प या लैबोरटरी परीक्षाएँ जल्दी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मैट्रिकल धोर्ड को भेज देगा जिस पर मैट्रिकल धोर्ड का 'फिट' 'अनफिट' की अंतिम राय आधारित होती है। दाढ़ लग्न पर उम्मीदवार के लिए धोर्ड के मामने स्वयं उपस्थित होना जल्दी बही होता। औषधिक के प्रभाव जैसे समाप्त करते ही नियंग यह जल्दी हो सकता है यि उम्मीदवार को कहे जिन तक अस्पताल में पूरी दैसे-रेले में रखा जाए।

9 यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई मरीज उम्मीदवार 12 हृस्त या इससे अधिक समय की अवधिती पायी जाती है तो उसकी

अस्थाहै रूप से तब उक्त अस्थास्थ घोलत किया जाना चाहिए जब तक कि इसका प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड विकित्सा व्यवसायी स्थान्धता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की हार्दीय से 6 हृस्ते बाद अधोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्थान्धता परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अन्तिरिक्ष बालों पर ध्यान दिया जाना चाहिए :

(क) उम्मीदवार को बांदी कानों कानों से छोड़ा सुनाहै पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोहै विषम नहीं है। यदि कान की लगावी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि मून्हे की बराबी का हालाज शन्य लिया (आपरेशन) या हिण्ठिंग एक के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस धारापर या अगोल्य थोकित नहीं किया जा सकता बल्कि लिंग की बीमारी बढ़ते वाली न हो। इस उपस्थित धारातीय रैल, भेंडार सेवा के असाधा अन्त सेवाओं, सेवा इंजीनियरिंग सेवा, तार हाँसी-विशेषज्ञ सेवा, ग्रप के तार यानायात सेवा, ग्रप 'क' कैन्चनियरिंग सेवा, ग्रप 'क' और कैन्चनियरिंग इंजीनियरिंग सेवा, ग्रप 'क' और कैन्चनियरिंग सेवा इन पर यात्रा नहीं है। विकित्सा प्रारिक्षकारी के मार्दिर्दान के लिए इस संघर्ष में विस्तैरित जानकारी दी जाती है :—

1	2	3
(1) एक काल में प्रकट अथवा पूरी अहरायन, दूसरा काल, सामान्य होगा।	यदि फिल्मेसी में बहरायन 30 बैमिल तक हो तो गैर-तकनीकी काम के लिए योग्य	
(2) दोमां कानों में बहरायन का प्रत्यक्ष दोई, जिसमें अवण पैक (हिण्ठिंग एक) द्वारा छुल्ल/धूधार संभव है।	यदि 1000 से 4000 लक की स्पीच फिल्मेसी में बहरायन 30 बैमिल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी बांदी प्रकार के काम के लिए योग्य।	
(3) लैंग्रेश अवण मार्जिनल दाइप के टिप्पेमिक भेमान द्वित्र	(1) एक काल सामान्य हो दूसरे काल में टिप्पेमिक भेमान में छिप हो तो अस्थायी आवार पर अयोग्य कान की शास्त्र विकित्सा भी लियति सुधारते से बांदी कानी भी मार्जिनल या अस्त्र लिया जाने समीक्षारा की अस्थाहै रूप से अयोग्य धीरित करके उस पर नीचे लिए गए लियम 4 (2) के अधीन विकार किया जा सकता है (2) दोमां कानों में मार्जिनल या एट्रिक लिय होने पर अयोग्य।	

1	2	3	1	2	3
(4) काम के एक और में/दोनों और में मस्टायड कैविटी से मजबूतीमें अवण।	(3) दोनों कानों में सेफ्ट्स छिप होने पर अस्थाई रूप से अयोग्य।	(1) कान, नाक अथवा गले के अस्थाई रूप से अयोग्य।	(1) यदि काम-काज में वाष्पक न हो तो योग्य।	(2) भारी माला में हक्क-लाठू हो तो अयोग्य।	(1) यदि काम-काज में वाष्पक न हो तो योग्य।
(5) बहुते रहने वाला काम आपरेशन किया गया/विना आपरेशन वाला।	(1) किसी एक कान से सामान्य रूप में एक ओर से मस्टायड कैविटी में सुनाई देता हो पूसरे कान से सम-लाम्ब अवण बाले कान/मस्टायड कैविटी होने पर तकनीकी तथा और उक्तीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य।	(2) दोनों ओर से मस्टायड कैविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य यदि किसी भी कान की अवणता अवण-रूप अगाहर अथवा बिना अगाए युद्धार कर 3 ऐसिया हो जाने पर और उक्तीकी कामों के लिए योग्य। तकनीकी सदा गैर उक्तीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थाई रूप से अयोग्य।	(2) उम्मीदवार बालने में हक्कलाता/हक्कलाती नहीं हो।	(3) उपर्युक्त तात्पर्य से है या नहीं और उक्तो तरह उपर्युक्त के लिए जल्दी हाने पर तकली दात सम-है या नहीं (उक्ती तरह भरे हुए वाहों को ठीक समझा जाएगा)।	(2) उम्मीदवार छाती की बालैट उक्ती है या नहीं और छाती काफी फैसली है या नहीं तथा उसका विषय या केस्ट ठीक है या नहीं।
(6) नासापट की हृष्टी मवधी विषमताओं (दोनी डिफ-मिटी) महिन अथवा उसमें रहित नाक की जीर्ण-प्रवाहक एजलिक दसा।	(1) प्रश्नेक माससे की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।	(3) उसके बारे में उसकी तात्पर्य वरिक्षेमील, दरिकाय-शिर (वंच) या बवासीर है या नहीं।	(3) उसके बारे में उसकी तात्पर्य वरिक्षेमील, दरिकाय-शिर (वंच) या बवासीर है या नहीं।	(4) उसके बारे में उसकी तात्पर्य वरिक्षेमील, दरिकाय-शिर (वंच) या बवासीर है या नहीं।	(4) उसके बारे में उसकी तात्पर्य वरिक्षेमील, दरिकाय-शिर (वंच) या बवासीर है या नहीं।
(7) टॉसिलम और/अथवा स्वयंक (लैम) की जीर्ण-प्रवाहक दसा।	(2) यदि अस्थाई महिन नासापट अपसरण विद्य-मान होने पर अस्थाई रूप से अयोग्य।	(1) टॉमिल और/अथवा स्वरंयंक की जीर्ण-प्रवाहक दसा योग्य।	(5) उसके काइ विचरस्थाई त्वचा की बीमारी है या नहीं।	(5) उसके काइ विचरस्थाई त्वचा की बीमारी है या नहीं।	(5) उसके काइ विचरस्थाई त्वचा की बीमारी है या नहीं।
(8) कान, नाक, गले (ई.एस. डी.०) के हरके अथवा अपने द्वारा पर दूर्घट द्यूमर।	(1) सुल्का द्यूमर अस्थाई रूप में अयोग्य	(2) सुर्ख द्यूमर-अयोग्य।	(6) कारोबर टीके के निशान हैं या नहीं।	(6) कारोबर टीके के निशान हैं या नहीं।	(6) कारोबर टीके के निशान हैं या नहीं।
(9) आस्टोविरोसिस	अवण यह की महायता से या आपरेशन के बाव अवणता 30 ऐसिया के अवर होने पर योग्य।		11. दिल और लोक्य की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए साधारण पारीकरक परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी भासमानों में नेपी रूप से शाती की एक्सर्ट परीक्षा की जानी चाहीए।		
			पत्त कोइ दोष मिले तो उसे प्रसाण-पत्त में अवश्य ही नोट विल्या जाए। मॉडिकल परीक्षक का अपनी गाय जिल बैरी चाहीए कि उम्मीदवार से अपेक्षित वक्तापूर्वक हृष्टी में वाधा पड़े फी संभावना है या नहीं।		
			टिप्पणी :—उम्मीदवारों का चेतावनी दी जाती है कि उपर्युक्त संक्षेपों के लिए उसकी योग्यता का विधारण करने के लिए नियुक्त स्वेच्छा या स्टॉकिं भौविकल घोड़ों की छिलाक उन्हें अपील करने के लिए काइ तुक नहीं है किन्तु यदि सरकार की प्रधम योर्ड की ओर से निर्णय की गलती की संभावना के समन्वय में प्रस्तुत किए गए प्रमाण के बारे में तस्वीरी हो जाए तो सरकार द्यूमर टीके सामन एक जीवन परी एजावत दे सकती है। ऐसा प्रमाण उम्मीदवार का प्रधम		

मैडिकल बोर्ड के निर्णय भेजने की तुरारी से एक महीने के अन्वर पश करना आहिए बरना दूसरे मैडिकल बोर्ड के समन्वयीकरण की प्राप्तिना पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि प्रथम बोर्ड के निर्णय की गलती थी उभावना के बारे में प्रमाण के रूप में उम्मीदवार मैडिकल प्रमाण-पत्र प्राप्त करें तो इस प्रमाण-पत्र पर बस हासिल में विचार नहीं किया जाएगा जब कि उसमें संबंधित मैडिकल प्रैक्टीशनर का इस आषय का नोट नहीं होता कि यह प्रमाण-पत्र इस तथ्य के पूर्ण कानून के बाब ती दिया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही सेवाओं से लिए मैडिकल बोर्ड द्वारा व्यापक आवेदन करके अवैधत किया जा चुका है।

#### मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मैडिकल प्राप्तिना के मार्गदर्शन के लिए नियुक्ति विविध सूचना दी जाती है :—

प्रारंभिक गांधीजी (फिटनेस) के लिए अपनाया जाने वाले स्टेन्कर्ड से संबंधित उम्मीदवारों की आयु और सेवाकाल (यदि हो) के लिए उचित गुजारण रखनी आहिए।

किसी एंसे अधिकत को प्रतिक सर्विस में भर्ती के लिए यात्रा समझा जाएगा, जिसके बारे में व्यापक स्थिति सरकार या मियूक्स प्राप्तिकारी (अपाइटिंग ड्यूटीस्टी) का यह तसलीली नहीं है कि उसे काहे एंसी बीमारी या फ्रूटोरेक व्यापारा (बाबिली इन्फर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हों या उससे अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी आहिए कि यात्रा का प्रदेश भविष्य में भी उत्तमा ही सम्भव है जितना वर्तमान से है और मैडिकल परीक्षा का एक मूल्य चाहूऱ्य निरन्तर कारणर सेवा प्राप्त करना और स्थाई नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल भूत्यु होने पर समय पूर्ण प्रोत्तर या अदार्यागियों का रोकना है। यात्रा ही भी नोट कर लिया जाए कि यही प्रदेश केवल निरन्तर कारणर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्थीकृत करने की सलाह इस हास में नहीं दी जाती आहिए जबकि उसमें कोहे एंसो वांप हो या ज्ञेय कम परिस्थितियों में निरन्तर कारणर सेवा में बापके पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लंदी आकटर का मैडिकल बोर्ड के सदस्य के स्पृष्ट में सहयोगित किया जाएगा।

जो उम्मीदवार भू-विज्ञानी (कर्निष्ठ) और सहायक भू-विज्ञानी के पदों पर हिपूक्त किये जाएंगे, उन्हें भारत में या भारत के बाहर धोकेशत कार्य करना होगा। एंसे उम्मीदवार के मामले में विज्ञाला बोर्ड को अपना भर स्पष्ट स्पृष्ट से व्यवस्त करना आहिए कि वह धोकेशत कार्य के लिए योग्य है या नहीं।

मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट गोपनीय रखनी आहिए।

एंसे मामले में अद्विक नोहे उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो बोर्ड तौर पर

उसके वस्तीकार किये जाने के आधार पर उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किस्तु मैडिकल बोर्ड ने या सरावी बताई हो उसका विस्तृत व्यौत्त नहीं दिया जा सकता है।

ऐसे मामला में यहां मैडिकल बोर्ड का यह विचार है कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार के व्यापक बोर्ड जाले वाली छांटी-माटी लालावी विकिलसा (मैडिकल या सीजिकल) द्वारा दूर हो सकती है वहां मैडिकल बोर्ड द्वारा इस आवश्य का कथन रिपोर्ट किया जाना आहिए।

नियुक्ति प्राप्तिकारी द्वारा हाग वार्ड में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सुनित किये जाने में काहे आपात नहीं है यद्य पह लालावी दूर हो जाए तो एक दूसरे मैडिकल बोर्ड में सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहां में संबंधित प्राप्तिकारी स्वरूप है।

यदि कोहे उम्मीदवार अस्थाई तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो द्वारा परीक्षा की अवधि सामरण्याकाम गे कम छह रुक्न से कम गही हानी आहिए। मियूक्स व्यवधि के बाद जब द्वारा परीक्षा की जाए तो एंसे उम्मीदवारों को और आगे की अवधि के लिए स्थाई तौर पर अयोग्य घोषित न कर विचारित के लिये उनकी अवधिका के संबंध में अधिया वे इस नियुक्ति के लिये अयोग्य हैं एंसा निर्णय अंतिम रूप रो दिया जाना आहिए।

#### (क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मैडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवारों को नियुक्ति अपेक्षित रुक्न देनी आहिए और उसके साथ लगी हुए घोषणा (डिफरेंसन) पर हेमाड्पर करन आहिए। नीवे दिय हुए नीट में उल्लिखित जोगावती दी गार उस उम्मीदवार का विवाह ज्ञप से ध्यान धेना आहिए।

1. अपान नाम पूरा विवर

2. अपनी आयु और जन्म रथान घोषणा

3. (क) यथा आप गोरक्षा, गळवाली, छसमी, नागासैण्ड जन-आति बाबी में से किसी आति से संबंधित है जिनका अधित कब दूसरों में कम होता है। “हाँ” या “नहीं” में उनके द्वारा घोषिए। उनके हां में हो तो उस ज्ञान का नाम घोषणा।

(ख) यथा आपका कभी लेक्क, एक लक्क कर होने वाला कोहे द्वारा बुझार, वैदिक्या (गणेश) का नवाज या इसमें पीप वडा, भूक से चून आमा, बमा, विल की बीमारी, फेफड़ की बीमारी, मुछा के बारे, रूपटिष्ठ एपेंडिमाइटिस हाला है ?

(ग) यथा दूसरी एंसी कोहे बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण दैव्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मैडिकल या सीजिकल इलाज किया गया हो, हाँ है ?

4. क्या आपको जीवित काम या किसी दूसरे कारण किसी किसी की मधीरता (तर्वरीतें) हुई?

5. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित प्लॉग हैः—

यदि पिता	मृत्यु के	आपके किनने	आपके किनने
जीवित होती	ममय पिता	भाई जीवित	भाइयों की
उनकी आयु	की आयु	है, उनकी आयु मृत्यु हो जूनी	भाइयों की
और स्वास्थ्य	और मृत्यु	और स्वास्थ्य है, उनकी आयु	और मृत्यु का
की अवस्था	का कारण	की अवस्था	का कारण

यदि माता	मृत्यु के	आपकी कितानी	आपकी कितानी
जीवित होती	समय माता	जहाँ जीवित	जहाँ की मृत्यु
उनकी आयु	की आयु	है, और उनकी हो जूनी है,	आयु और मृत्यु
और स्वास्थ्य	और मृत्यु	आयु और मृत्यु की समय	की अवस्था
की अवस्था	का कारण	स्वास्थ्य की उनकी आयु	अवस्था और मृत्यु का
		अवस्था	कारण

6. क्या हमके पहुंच किसी मौद्रिकता बोझँ ने आपकी परीक्षा की है?

7. यदि उत्तर या उत्तर सूं में हा तो बताएँ किस संवा/किस संवाधों के नियम आपकी परीक्षा को गहरा भी?

8. परीक्षा लेने वाला प्रार्थकारी कौन था?

9. कम और कहाँ मौद्रिकता बोझँ दूजा।

10. मौद्रिकता बोझँ की परीक्षा को परिणाम यदि आपका उत्ताप्त रुप हो अथवा आपको मात्रूम हो।

मैं धौर्याधिकारी हूँ कि यहाँ तक भी जिष्काम है उत्तर यदि गर्थ मभी जाग्रत्त भाई और ठीक है।

जामीनवाह के हस्ताक्षर

मर्मे गामन हस्ताक्षर किएँ

बोझँ के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

नट.—उर्ध्वकृत कथन की यथार्थता के लिये उम्मीदवार छिप्पेवार होगा। जानवृत्तिकर किसी मूलना को छुपाने से बहु नियुक्ति जो बैठने का जीवित लौगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो यार्थक्रिया तिकृति भना (मुपराजनुपश्चान) अनाउन्म या उद्यात (प्रेक्षकृती) के मभी वार्ता में हाथ भो देंगे।

(क) (उम्मीदवार का नाम)

की शार्टीरक परीक्षा या मौद्रिकता बोझँ की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास अड्डा सामान्य लगाव  
प्रोब्लेम परिवार जैसा गोदा

कद (प्रत उत्ताप्त कर)

मज़न विज्ञान में काइ द्वारा भें हुआ परिवर्तन

तापमान :

छाती का बरं

1. (पूरा सांस जीवन पर)

(पूरा सांस छोड़ने पर)

2. लवचा—कोइ बाहरी बीमारी

3. गोप :—

(1) कोइ बीमारी

(2) रलॉफी

(3) कठर विषय का दोष

(4) चैल के धोये (फैल बाक विषय)

(5) फैलस की जूँच

(6) इंस्टि तीक्ष्णता (विज्ञान एक्सीटी)

(7) प्रिविम संग्रह की योग्यता

पूँडिट की	जस्मों के	जस्मों से	जस्मे की पावर
तीक्ष्णता	दिना	दिना	गोल शीलएक्गरा

दूर की तजर

दा० न०

दा० न०

पास की तजर

दा० न०

दा० न०

दृहरामद्वीपिया

दा० न०

(प्रयत्न) दा० न०

मूँह

4. काम : निरीक्षण

पाणी कान

दूध कान

5. ग्रीष्मीय

धाहराइड

6. बासी की हालत

7. इसन तंत्र (सरपीरेंटर सिस्टम) का शारीरिक परोक्षण करते पर सौंस के शैरों से किसी बसमाता का पसा लगा है।

यदि पसा लगा है तो बसमाता का पूरा व्यापा है—

8. परिमेचरण तंत्र (सरल्पूरिलटरी सिस्टम)

(क) तृष्ण और वार्गिक गति (आर्मेनिक शीजन)

गति (ट्रैट) : बोझँ तृणे पर

25 द्वार कुचाए जाने के बाद

कुचाए जाने के 2 मिनट बाद

(क) द्वार प्रेसर : मिस्टार्लिङ

ड्रायस्टार्लिङ

9. उदार (पट) घंगा

हर्मिया

स्पर्शस्त्रियता

(क) द्वारकर मालूम पड़ना : जिगर

तिल्ली

पूँछ

दृष्टिमार

(क) रक्तांश

भूर्गमी

10. तंत्रिका तंत्र (वर्षस सिस्टम) तंत्रिका या मानसिक व्यष्टि-  
सामाजिकों का संकेत ..... . . . . .  
11. बाल तंत्र (लोकोमोटिव एस्ट्रेंजर)  
कोइँ असामाजिकों का संकेत :  
12. जनन शूज तंत्र (जैनेटी यूरिजरी सिस्टम) ..... . . . . .  
हाइड्रोसील, बैरिकोसील आदि का कोइँ संकेत :

**मुख्य परीक्षा :**

- (क) कौसा चिकाहूँ पढ़ना है ?  
(ख) उपर्युक्त गुणत्व (स्पॉर्सिक ग्रैंपिटी)  
(ग) एल्ब्युमन  
(घ) बालकर  
(इ) कास्टस  
(ए) कार्मिकाए (सैल्स)  
13. छाती के एक्सर्टे परीक्षा की रिपोर्ट ..... .  
14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोइँ एंटी बाल है  
जिसमें वह इस सेवा की दृश्यटी को वक्तावार्तक विभाव  
के लिए अयोग्य हो सकता है ?  
उट :—महिला उम्मीदवार के मानस में, योग यह विधा फॉर्म है  
कि वह 12 सप्ताह अधिक समय से अधिक समय की  
गर्भावना है तो उसे अस्थाहूँ रूप से अयोग्य घोषित किया  
जाना चाहिए (इच्छा) विविधम् 9।  
15. (क) उम्मीदवार परीक्षा कर निए जाने के किन सेवाओं में  
कार्य के बारे तथा मस्त निष्पादन होते सभी प्रकार से  
योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के सिए यह  
अयोग्य पाया गया है ?  
(ख) क्या उम्मीदवार अतिरिक्त संबंध के लिए योग्य है ?

**नोट :**—श्रोतुँ को अपना विषय विमलिति तीन बारों में सं  
किसी एक में रिकॉर्ड करना चाहिए।

- (1) योग्य ..... . . . . .  
(2) ..... . . . . . खो कारण योग्य  
(3) ..... . . . . . वे कारण अस्थाहूँ रूप से अयोग्य  
स्थान ..... . . . . . अधिक ..... . . . . .  
तारीख ..... . . . . . संवय ..... . . . . .

### परिचय 3

इस परीक्षा के आधार पर जिन पदों के सिए भर्ती की जा  
एगी है उनके सम्बन्ध में संक्षिप्त विवरण :

#### भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण

- (1) भू-विज्ञानी (कर्निल) ग्रुप क  
(ख) विद्युक्ति के लिए चुने गये उम्मीदवारों को वे वर्ष  
की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहना होगा ।  
विद्युक्ति होने पर यह अवधि बढ़ाहूँ भी जा सकती  
है ।

- (क) परिवीक्षा अवधि के दौरान उम्मीदवार की प्रशिक्षण  
और विकास का एसा कोर्स पूरा करना होगा और  
ऐसी परीक्षा तथा 'परिवीक्षण' उत्तीर्ण करने होंगे जो  
सभी अधिकारी द्वारा विहित किए जाएं ।  
(ख) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण का नियांसित  
बोतलमाल :—  
(1) भू-विज्ञानी (कर्निल) (कर्निल बोतलमाल)  
रु. 2200-75-2800-व. रा. -100-4000 ।  
(2) भू-विज्ञानी (नरिल) (नरिल बोतलमाल)  
रु. 3000-100-3500-125-4500 ।  
(3) नियोक्त (भू-विज्ञानी) —रु. 3700-125-4700-  
150-5000 ।  
(4) उप महानियोक्त (भू-विज्ञानी) — रु. 5900-  
200-6700 ।  
(5) बरिल उप महानियोक्त (भू-विज्ञानी) — 7300-  
100-7600/- रुपए।  
(6) महानियोक्त —रु. 8000/- (नियांसित) ।  
(घ) भारतीय द्वारा समय-समय पर संशोधित किए गए  
भर्ती विषयों के अनुसार विभाग में पदों के वर्चातर  
संख्यों में पदोन्माला की जाएगी ।  
(इ) पंचा और अष्टकांश तथा पंशुन को सर्व पह्ली होंगी जो  
सरकार द्वारा समय-समय पर आवोधित मूल विषयों  
तथा विधिय सेवा विषयों में उल्लिखित है ।  
(ए) सरकार द्वारा समय-समय पर आवोधित सामाजिक  
भवित्व नियिक (लोकाय सेवाएं) विषयमाली में चरिस-  
कित जर्ती को अनुसार भवित्व नियिक की जाती हांग  
होगी ।  
(उ) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के समस्त अधिकारीहों  
को भारत के किसी भी भाग में या भारत से बाहर  
कार्य करना पड़ सकता है ।  
(2) सहायक भू-विज्ञानी ग्रुप क  
(क) विद्युक्ति होने, चुने गए उम्मीदवारों को वे वर्ष  
की अवधि के लिए परिवीक्षा पर विद्युक्ति किया  
जाएगा । यदि वास्तविकता होइ तो यह अवधि  
बढ़ाहूँ भी जा सकती है ।  
(ख) परिवीक्षा अवधि के दौरान उम्मीदवार को प्रशिक्षण  
और विकास का एसा कोर्स पूरा करना होगा और  
ऐसी परीक्षा तथा 'परिवीक्षण' उत्तीर्ण करने होंगे जो  
सभी अधिकारी द्वारा विहित किए जाएं ।  
(ग) बोतल का नियांसित बोतलमाल : रु. 2000-60-  
2300-व. रा. -75-3200-100-3500 ।

- (५) भू-विज्ञानी (ग्रुप 'क'—कर्निल्स वेतनमात्र) के संबंध में भलीं अंशतः संघ नोक सेवा आदेश की प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा और अंशतः सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित भलीं नियमों के अनुसार विभागीय पदों-में समिति द्वारा भारतीय भू-विज्ञानी सर्वोक्षण में सहायक भू-विज्ञान के निम्न प्रेक्ष से पदोन्नति द्वारा की जाए।
- (६) सेवा और अवकाश तथा पौष्टि की जल्दी ही इनका उल्लेख कर्मसः सरकार द्वारा समय-समय पर यथा आशोधित मूल नियमों तथा मिशन सेवा विभिन्नों में किया गया है।
- (७) भविष्य निधि की जल्दी वही है अवकाश उल्लेख सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित समाचार भविष्य निधि (कोन्काणी सेवाएँ) नियमायणी में किया गया है।
- (८) सहायक भू-विज्ञानियों को भारत में या भारत के बाहर कहीं भी कार्य करना पहले सकता है।

## 2. कोन्काणी भू-जल बोर्ड

- (१) वैज्ञानिक "क" (कर्निल्स जल-भू-विज्ञानी) ग्रुप 'क'—  
 (क) नियोक्ता होने वाले ग्रुप उम्मीदवारों को वो वर्द्ध की अवधि होने परिवर्तित पर रखा जाएगा। उस अवधि को आवश्यकतानुसार छोड़ा जा सकता है।  
 (क) कोन्काणी भू-जल बोर्ड में विभिन्न वेतनमात्र—  
   (१) वैज्ञानिक "क" (कर्निल्स जल-भू-विज्ञानी)—रु. 2200-75-2800-वरु. 100-4000।  
   (२) वैज्ञानिक "ग" (वर्गिल जल-भू-विज्ञानी)—रु. 3000-100-3500-125-4500।  
   (३) वैज्ञानिक "व" (व) रु. 3700-125-4700-150-5000।  
   (४) मुख्य जल-भू-विज्ञानी—रु. 5100-150-5700।  
 (ग) सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित किये गये भलीं नियमों को अनुसार दिभाग में पदों के उच्चतर श्रेष्ठों में पदोन्नति की जाएगी।

- (८) सेवा और अवकाश तथा पौष्टि की जल्दी वही होगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित मूल नियमों तथा मिशन सेवा विभिन्नों द्वे उल्लिखित हैं।
- (९) सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित समाचार भविष्य निधि (कोन्काणी गोदान) नियमायणी में उल्लिखित वर्तमान के अनुसार भविष्य निधि की जल्दी लागू होगी।
- (१०) कोन्काणी भू-जल बोर्ड के समस्त अधिकारियों को भारत के किसी भी भाग में या भारत में बाहर कार्य करना पहले सकता है।
2. सहायक जल भू-विज्ञानी ग्रुप 'क'
- (१) नियुक्ति होने वाले उम्मीदवारों को वो वर्द्ध की अवधि को नियंत्रित किया पर नियमित किया जाएगा, यदि आवश्यक समझा गया तो यह अवधि बढ़ाव भी जा सकती है।
- (२) नियांत्रित वेतनमात्र रु. 2000-60-2300-वरु. 75-3200-100-3500।
- (३) कर्निल्स जल भू-विज्ञानी (ग्रुप 'क') के संबंध में भलीं अंशतः सेवा नोक सेवा आदेश की प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा और अंशतः समय-समय पर नरकार द्वारा आशोधित भलीं नियमों के अनुसार विभागीय नियमों पदोन्नति संशोधि द्वारा कोन्काणी भू-जल बोर्ड के सहायक जल विजायी द्वे निम्न प्रेक्ष से पदोन्नति द्वारा वही जाएगी।
- (४) सेवा, अवकाश और पौष्टि की जल्दी वही होगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित समाचार भविष्य निधि (कोन्काणी सेवाएँ) नियमायणी वर्तमान उल्लिखित है।
- (५) भविष्य निधि की जल्दी वही जल्दी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित समाचार भविष्य निधि (कोन्�काणी सेवाएँ) नियमायणी वर्तमान उल्लिखित है।
- (६) सहायक जल भू-विज्ञानियों को भारत में या भारत के बाहर कहीं भी कार्य करना पहले सकता है।

## PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 9th October 1991

## CORRIGENDA

No. 110-Pres/91.—The following amendment is made in this Secretariat Notification No. 60-Pres/91, dated the 15th April, 1991 published in Part I, Section 1 of the Gazette of India dated the 27th April, 1991 relating to Sarvottam Jeevan Raksha Padak :—

*At page 2 Sl. No. 5*

*For Shri G. S. Gill  
Read Shri J. S. Gill*

No. 111-Pres/91.—The following amendments are made in this Secretariat Notification No. 62-Pres/91, dated the 15th April, 1991 published in Part I, Section 1 of the Gazette of India dated the 27th April, 1991 relating to Jeevan Raksha Padak .—

*At page 6 Sl. No. 17*

*For Shri Rachappa Basavant Harti  
Read Shri Harti Rachappu Basavannu*

*At page 13 Sl. No. 40*

*For Shri Balkrishna Bajpai  
Read Shri Bal Krishna Bajpai*

A. K. UPADHYAY, Director

## LOK SABHA SECRETARIAT

New Delhi-110001, the 19th September 1991

No. 4/1-PU/91.—The following members of Lok Sabha and Rajya Sabha have been duly elected to serve as members of the Committee on Public Undertaking for the term ending on 30 April, 1992 :

## MEMBERS OF LOK SABHA

1. Shri Barendra Acharya
2. Shri A. R. Antulay
3. Shri Chandulal Chandrakar
4. Shri Rudraken Choudhary
5. Shri Madan Lal Khurana
6. Shri Peter G. Marbanlang
7. Shri M. V. Chandrashekara Murthy
8. Dr. P. Vallal Peruman
9. Shri Plyus Tlucky
10. Shri K. P. Unnikrishnan
11. Shri B. Raja Ravi Verma
12. Shubhamita Rita Verma
13. Shri Surhil Chundru Verma
14. Shri V. S. Vijayaraghavan
15. Shri Devendra Prasad Yaduv

## MEMBERS OF RAJYA SABHA

16. Shri Ashwani Kumar
17. Shri Ajit P. K. Jogi
18. Shri Mohinder Singh Lather
19. Shri Syed Shabey Razi
20. Dr. G. Vilayya Mohan Reddy
21. Shrimati Kamla Sinha
22. Prof. Chandresh P. Thakur

The Speaker has been pleased to appoint Shri A. R. Antulay as Chairman of the Committee.

G. L. BATRA, Jr. Secy.

## DEPARTMENT OF ELECTRONICS

New Delhi, the 27th September 1991

## RESOLUTION

No. 2312/91-SIDA.—Deptt. of Electronics has set up Software Technology Parks at Bangalore, Pune and Bhubaneswar. These Software Technology Parks are managed by the societies registered at Bangalore, Pune and Bhubaneswar. Deptt. of Electronics have decided to dissolve these societies in accordance with the provision of sections 13 & 14 of the Societies Registration Act, 1860. It has been further decided that the management of these Software Technology Parks at Bangalore, Pune and Bhubaneswar will be transferred along with its claims and liabilities with respect to disposal and settlement of the property of societies to the Software Technology Parks of India, a society registered in Delhi by Deptt. of Electronics to manage all the Software Technology Parks.

## ORDFR

ORDERED that the resolution be published in the Gazette of India

ORDERED also that copy of the resolution be communicated to the Ministry/departments of the Government of India and all others concerned.

A. K. DEB, Jr. Secy.

## MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 7th October 1991

## ORDER

SUB : Grant of Petroleum Exploration Licence to Oil and Natural Gas Commission for Kutch offshore block I Extn F area measuring 560 sq. kms.

No. O-12012/32/90-ONG. D 4.—In exercise of the powers conferred by clause (i) of sub-rule (1) of Rule 5 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, the Central Government hereby grants to the Oil and Natural Gas Commission, Tel Bhawan, Dehradun thereafter referred to as Commission) a Petroleum Exploration Licence to prospect for Petroleum for four years from 4-5-1990 for Kutch offshore block I Extn F area measuring 560 sq. kms., the particulars of which are given in Schedule 'A' annexed hereto.

The grant of licence is subject to the terms and conditions mentioned below.

(a) The Exploration Licence should be in respect of Petroleum

(b) If any minerals are found during the exploration work, the Commission should bring that to the notice of the Central Government with full particulars thereof

(c) Royalty at the rate mentioned below shall be charged :

(i) Rs. 314/- per metric tonnes or such rates as may be fixed by the Central Government from time to time on all crude oil and casing-head condensate.

(ii) In case of natural gas, at such rates as may be fixed by the Central Government from time to time.

The royalty shall be paid to the Pay and Accounts Officer, Ministry of Petroleum and Natural Gas, New Delhi.

(d) The Commission shall within the first 30 days of every month, furnish to the Central Government a full proper return showing the quantity and gross value of all crude oil, casing-head condensate and natural gas obtained during the preceding month in pursuance of the Licence. The return shall be in the form given in Schedule 'B' annexed hereto

(e) The Commission shall deposit a sum of Rs. 50,000/- as security as required by rule 11 of the P&NG Rules, 1959.

(f) The Commission shall pay every year in advance a fee in respect of the Licence calculated at the following rates for each square kilometre or part thereof covered by the Licence :—

- (i) Rs. 8/- for the first year of the licence;
- (ii) Rs. 40/- for the second year of the licence;
- (iii) Rs. 200/- for the third year of the licence;
- (iv) Rs. 400/- for the fourth year of the licence;
- (v) Rs. 600/- for the first and second years of renewal.

(g) The Commission shall be at liberty to determine the relinquishing of any part of the area covered by the exploration Licence by giving not less than two months' notice in writing to the Central Government as required by sub-rule (3) of the rule 11 of the Petroleum & Natural Gas Rules, 1959

(h) The Commission shall immediately on demand submit to Central Government confidentially a full report of the Geological data of all the minerals found during the exploration of oil and natural gas and shall submit without fail every six months the results of all operations, boring and exploration to the Central Government

(i) The Commission shall take preventive measures against the hazards of fire under sea bed and/or on the surface and shall keep such equipment, supplies and means to extinguish the fire at all times and shall pay such compensation to third party and/or Government as may be determined in case of damage due to the fire.

(j) This exploration Licence shall be subject to the provisions of the Oil Fields (Regulation and Development) Act, 1948 (53 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959

(k) The Commission shall execute a deed of the Petroleum Exploration Licence in the form applicable to offshore areas as approved by the Central Government

(l) The Commission should render Bathymetric, bottom sampling, Current and magnetic data collected during the drilling/exploration operations/survey, to Ministry of Defence, Naval Headquarters in the usual manner.

(m) The Commission should ensure security of oceanographic data.

(n) The entire data is processed in India.

(o) Foreign vessels if deployed for survey, are to undergo naval security inspection by a team of Indian Navy Specialists Officers prior to commencement of survey. A minimum of one month notice about the arrival of such vessel in India is to be given to facilitate deputation of the Inspection team

(p) A complete set of oceanographic data collected by the Commission in this area is made available free of cost to the Ministry of Defence/Chief Hydrographer

#### SCHEDULE 'A'

Geographical coordinates of Kutch offshore block I Extension F area measuring 560 sq kms.

Point	Longitude	Latitude
A	23° 14' 10"	68° 18' 00"
B	23° 14' 10"	68° 30' 00"
C	23° 00' 00"	68° 30' 00"
D	23° 00' 00"	68° 18' 00"

## SCHEDULE 'B'

Monthly return of crude oil, casing-head condensate and natural gas produced and value thereof

Petroleum Exploration Licence for

Area

Month and Year

A—Crude Oil

Total No. of Metric tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration approved by the Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

B—Casing-head condensate

Total No. of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration approved by the Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

C—Natural Gas

Total No. of cubic metres obtained	No. of cubic metres unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of cubic metres used for purposes of petroleum exploration approved by the Central Government	No. of cubic metres obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

I, Shri..... do hereby solemnly and sincerely declare and affirm that the information in this return is true and correct in every particular and make this declaration conscientiously believing the same to be true.

By order and in the name of the President of India

(Signature)

M. Martin  
Desk Officer

**DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
(DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL DEVELOPMENT)**

New Delhi, the 27th September 1991

**RESOLUTION**

No Ceramics/11(21)/91.—Government of India have decided to re-constitute the Development Panel for Ceramics Industries with the following composition and for the period of two years from the date of issue of this Resolution :—

*Chairman*

1. Shri T Venkateshwarn Rao,  
Neycer India Ltd.,  
52, Chamber Road,  
Madras-600 028.

*Members*

2. Shri N G Basak,  
Industrial Adviser-in-Charge,  
DGTD, New Delhi.

3 Director (CGF Section),  
Dept. of Ind Development,  
Udyog Bhawan,  
New Delhi

4. Representative, DC (SST),  
Nirman Bhawan,  
New Delhi.

5. Shri M. K Basu,  
Dy Director,  
Central Glass & Ceramic Research,  
Institute, Calcutta-700 032

6. Representative,  
Indian Bureau of Mines,  
Indira Bhawan, Civil Lines,  
Nagpur-440 001.

7. Representative, Bureau of Indian Standards,  
Manek Bhawan,  
9, Bahadur Shah Zafar Marg,  
New Delhi-110 002.

8. Shri B. M. Rai,  
Dy General Manager,  
BHEL, Electro Porcelain Division,  
P.B. No. 1245,  
Bangalore-560 012

9. Shri R. K. Somani,  
President,  
Hindustan Sanitaryware & Industries Ltd.,  
Bahadur Garh, Distt. Rohtak,  
Haryana.  
Vice President,

10. Shri M. Umakanth,  
General Manager,  
EID, Parry Ltd.,  
Ranipet, North Arcot,  
Tamil Nadu.

11. Shri G. N. Naidu,  
Managing Director,  
Regency Ceramics Ltd.,  
N. N. House, Ching All Lane,  
Hyderabad-500 001.

12. Shri N K. Khullan,  
Vice President,  
Kajaria Ceramics,  
C-7, End of Kailash,  
New Delhi-110 065

13. Shri D. A. Kotian,  
H&R Johnson India Ltd.,  
Kundad Chambers,  
132 Annie Besant Rd.,  
Bombay-400 018

14. Shri A. K. Kalappan,  
General Manager,  
M/s English Indian Clay Ltd.,  
'Vel' Trivandrum-695021.

15. Shri P. M. Lodha,  
Managing Director,  
M/s Jaya Shree Insulators,  
15A Homanta Benu Sarani,  
Calcutta-700 001.

16. Shri Ved Kapoor,  
President,  
M/s. Hilkari Potteries Ltd.,  
Vandana (11th Floor),  
11, Tolstoy Marg,  
New Delhi-110 001.

17. Managing Director,  
Jyoti Ceramics Industries Ltd.,  
C-21, NICE, Satpur,  
Nasik-422 007.

18. Shri G. M. Agarwal,  
Managing Director,  
Ferro Coating & Colors Ltd.,  
John Diamond Harbor Rd.,  
Calcutta.

19. Shri B. D. Kothari,  
Managing Director,  
Madhusudan Ceramics Ltd.,  
Ahmedabad.

20. Shri G. K. Bhagat,  
Managing Director,  
M/s Bengal Potteries Ltd.,  
11 Sajjan Naldu Sarani,  
Calcutta-700 017.

*Member-Secretary*

121 Dr. S. Sen Surma,  
Asstt. Development Officer,  
DGTD, New Delhi.

**2. Terms of Reference :—**

- (1) To review the present status of industry region-wise in terms of capacity and production estimate the demand projection and recommend necessary measures for accelerated growth.

- (ii) To study the current status of technology and forecasting of future technologies needs industry upgradation of technology.
- (iii) To evaluate the input resources in terms of Raw materials and fuel and to standardise the norms of consumption of materials and energy and to develop energy efficient process and technology.
- (iv) To augment developmental activity for import substitute in terms of product, raw materials and components.
- (v) To explore the potential raw materials for high technology application and to take appropriate R & D activity in the relevant National Laboratories/institutions for development of such raw materials.
- (vi) To survey the export potential of the ceramic products and to work out the scope of indigenous development for export item in organised sector as well as in the small scale sector.
- (vii) Any other aspects which the panel deems important in the interest of the growth and development of ceramic industry.

#### ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

The 1st October 1991

#### RESOLUTION

No. Ref/4(4)/91.—Government of India have decided to reconstitute the Development Panel for Refractory Industries with the following composition and for the period of two years from the date of issue of this Resolution :—

#### Chairman

1. Shri Swaminathan,  
Managing Director,  
M/s. Tata Refractories Limited,  
XLRI Campus, C.H. Area (East),  
Jamshedpur.

#### Members

- 2. Shri N. G. Basak,  
Industrial Adviser (Incharge),  
D.G.T.D. Udyog Bhawan,  
New Delhi.
- 3. Director (C.G.F. Section),  
Dept. of ID, Ministry of Industry,  
Udyog Bhawan,  
New Delhi.
- 4. A representative from DC(SSI),  
Nirman Bhawan,  
New Delhi.
- 5. Dr. G. Banerjee,  
Central Glass & Ceramic Research Institute,  
Calcutta-700 032.
- 6. Director,  
Indian Bureau of Mines,  
Nagpur-440 001
- 7. Shri Syed Munir Hoda,  
Managing Director,  
M/s. Tamil Nadu Magnesite Limited,  
5/53, Omahr Main Road,  
Tajir Ammapalayam  
Salem-636 302.

8. President,  
M/s. Alloy Steel Producers Association of India,  
Bhaktawar, 1st Floor,  
Nariman Point,  
Bombay

9. President,  
All India Glass Manufacturers Federation,  
812, New Delhi House, 7, Barakhamba Road,  
New Delhi-110 001.

10. President,  
Indian Refractory Makers Association,  
6, Netaji Subhas Road,  
Calcutta-700 001.

11. Director,  
Bureau of Indian Standard,  
Firozshah Zaffar Marg,  
New Delhi.

12. Dr. A. K. Chatterjee,  
M/s. A.C.C. Limited (Central Research Station),  
Thane,  
Maharashtra.

13. Shri V. S. Dave,  
D.O.M. (Steel & Refractory),  
R&D SANI, Ranchi  
Bihar.

14. Dr. N. R. Sarkar,  
Director (Technical),  
M/s. Bharat Refractory Limited,  
Bokaro (Bihar)

15. Shri R. G. K. Pillai,  
Marketing Manager,  
Refractory Division,  
M/s. Carbonwundum Universal,  
28, Rajaji Road,  
Madras-600 001.

16. Shri R. H. Dalmia,  
M/s. Orissa Cement Limited,  
Rajganjpur, Orissa.

17. Shri K. P. Jhunjhunwala,  
M/s. Orissa Industries Limited,  
Udtnagar, Orissa.

18. Shri S. G. Rajgaria,  
M/s. Orient Abrasive Limited,  
Anand Bhawan, Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi.

19. Shri Sunil Roy,  
M/s. Indo-Flowgates Limited,  
3, Netaji Subhas Road,  
Calcutta-1.

#### Member Secretary

20. Shri B. Bose,  
Development Officer,  
DGTD, Udyog Bhawan,  
New Delhi

2. The terms of reference of the Panel would be as under:—

- (i) To review the present status of the industry, perspective for its future growth, estimate the demand and recommend steps to cover the gaps.
- (ii) (a) To evaluate the status of technology and suggest measures for upgrading the same to bring it upto the desired level and to suggest measures for modernisation.
- (b) To consider the level of development and suggest measures for development of designs/process, as applicable.

- (iii) To advise on norms for material and energy consumption, steps for reduction in the same and to recommend measures for improvement of efficiency and productivity.
- (iv) To advise on the economic and desirable scales of production for different sectors of the industry.
- (v) To suggest measures for import substitute of the product, its raw materials, and components.
- (vi) To advise on steps for export generation.
- (vii) To advise on pattern of regional development and growth of the industry, taking into accounts the sources of supply of raw materials and areas of consumption.
- (viii) Any other aspects which the panel deems important in the interest of the growth and development of the industry.

#### ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

MADAN MOHAN,  
Director (Administration)

#### MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 11th September 1991

No. Q-166012/2/89-ESA(WE).—In pursuance of Rule 3 (iii) read with Rule 4(v) & (vii) of the Rules and Regulations of Central Board for Workers Education, the Government of India hereby appoint Shri Nirode Baran Das, President, I.N.T.U.C., Tripura Branch, as a member of the Central Board for Workers Education in place of Shri P. S. Ghatowar, Organising Secretary, INTUC, Dibrugarh, to represent the Indian National Trade Union Congress on the Central Board for Workers Education, from the date of issue of this Notification.

2. The following changes shall be made accordingly in the Ministry of Labour Notification No. Q-16012/2/89-ESA(WE) dated 25th June, 1990 published in the Gazette of India Part-I Section-1, as amended from time to time :—

(i) For the existing entry viz :—

"15. Shri P. S. Ghatowar,

Organising Secretary, INTUC,

Post Box No. 38, Jiban Phukan Nagar,  
Dibrugarh-786 001."

(ii) the following entry shall be substituted viz :—

"15. Shri Nirode Baran Das,  
President,

INTUC Tripura Branch,

C/o Tripura Cha Mazdoor Union,

Krishnanagar, Nutanpally,

PO Agartala-799001, West Tripura."

G. S. LOBANA,  
Jt. Secy.

#### MINISTRY OF STEEL AND MINES

New Delhi, the 2nd November 1991

#### RULES

No. 4/3/91-M.II(V).—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1992 for the purpose of filling vacancies in the following posts are, with the concurrence of Ministry of Water Resources, published for general information :—

Category I (Posts in the Geological Survey of India, Ministry of Steel and Mines).

(i) Geologist (Junior), Group A and

(ii) Assistant Geologist, Group B.

Category II (Posts in the Central Ground Water Board, Ministry of Water Resources).

(i) Scientist 'B' (Jr. Hg.) Group A.

(ii) Assistant Hydrogeologist, Group B.

1. A candidate may compete in respect of any one or both the categories of posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the post for which he wishes to be considered in the order of preference.

No request for alteration in the preferences indicated by a candidate in respect of posts covered by the category/categories for which he is competing would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the result of the written examination in the Employment News.

2. Appointment on the results of the examination will be made on a temporary basis in the first instance. The candidates will be eligible for permanent appointment in their turn as and when permanent vacancies become available.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

4. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

5. A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) A Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or

(e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

6. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 30 years on 1st January, 1992 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1962 and not later than 1st January, 1971.

(b) the upper age limit will be relaxable upto a maximum of 7 years in the case of Government servants, if they are employed in a Department mentioned in Column I below and apply for the corresponding post(s) mentioned in Column II.

Column I	Column II
Geological Survey of India	Geologist (Junior) Group A Assistant Geologist, Group B
Central Ground Water Board	Scientist 'B' ( Jr. Hg.) Group A. Assistant Hydrogeologist, Group B.

(c) The upper age limits prescribed above will be further relaxable :—

(i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

(ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;

(iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;

(iv) up to a maximum of three years in the case of Defence Service personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;

(v) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(vi) up to a maximum of five years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1992 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 1992) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment;

(vii) up to a maximum of ten years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1992 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 1992) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of physical disability attributable to Military service or (iii) on invalidment, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(viii) up to a maximum of 5 years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military service as on 1st January, 1992 and whose assignment has been extended beyond 5 years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on 3 months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.

(ix) up to a maximum of 10 years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military Service as on 1st January, 1992 and whose assignment has been extended beyond 5 years, and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on 3 months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

**NOTE I**—The term ex-servicemen will apply to the persons, who are defined as ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and posts) Rules, 1979, as amended from time to time.

**NOTE II**—Ex-Servicemen who have already joined the Government Job on Civil side after availing of the benefits given to them as ex-servicemen for their re-employment, are not eligible to apply under Rule 6(c) (vi) & 6(c) (vii) of the Rules.

#### SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PREScribed CAN IN NO CASE BE RELAXED.

**N.B.**—(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 6(b) above, shall be cancelled, if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by his department/office, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting the application.

(ii) A candidate who, after submitting his application to his department is transferred to other department/office will be eligible to compete under departmental age concession for the post(s), for which he would have been eligible, but for his transfer provided his application, duly recommended has been forwarded by his parent Department.

#### 7. A candidate must have—

- (a) Master's degree in Geology or Applied Geology or Marine Geology from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational Institutes established by an act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956; or
- (b) Diploma of Associateship in Applied Geology of the Indian School of Mines, Dhanbad; or
- (c) Master's degree in Mineral Exploration from a recognised University (for posts in the Geological Survey of India only), or
- (d) Master's degree in Hydrogeology from a recognised University (for posts in the Central Ground Water Board only).

**NOTE I**—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the results may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 26th August, 1992.

**NOTE II**—In exceptional cases the Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other Institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

**NOTE III**—A candidate who is otherwise eligible but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

**8 Candidates must Pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.**

9. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees, or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidate applying for/attending at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

10. The decision of the Commission as to the eligibility, or otherwise, of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) violating any of the instructions issued to the candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination; or

(xii) attempting to commit or as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, and/or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
  - (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf, and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him into consideration

13. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

14. (i) After the interview the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified at the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

(ii) The candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, may, to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for selection to the posts.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-rule, shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. Due consideration will be given at the time of making appointments on the results of the examination to the preferences expressed by a candidate for the various posts at the time of his application.

17. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the post.

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of the duties of the post. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy those requirement, will not be appointed. Only candidates who are likely to be considered for appointment will be physically examined. Candidates will have to pay a fee of Rs. 16.00 (Rupees Sixteen only) to the Medical Board concerned at the time of the Medical Examination.

**Note**—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment in Gazetted posts and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled ex-Defence Services personnel, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.

#### 19. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
  - (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,
- shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

20. Brief particulars relating to the posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

RAKESH BHARTIYA, Under Secy.

#### APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following Plan:

**PART I.**—Written examination in the subjects as set out in para 2 below.

**PART II.**—Interview for Personality Test of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 200 marks (see para 8 below).

2. The following will be the subjects for the written examination :—

Subject	Code No.	Duration	Maxi-mum Marks
(1) General English	01	1½ hrs	100
(2) Geology Paper I, Comprising General Geology, Geomorphology, Structural Geology, Stratigraphy and Palaeontology	02	3 hrs.	200
(3) Geology Paper II, Comprising Crystallography, Mineralogy, Petrology and Geo-Chemistry	03	3 hrs.	200
(4) Geology Paper III, comprising Indian Mineral Deposits, Mineral Exploration, Mineral Economics and Economic Geology	04	2 hrs.	150
(5) Hydrogeology	05	2 hrs.	150

**Note**— Candidates competing for posts under both category I and category II will be required to offer all the five subjects mentioned above. Candidates competing for posts under category I only will be required to offer subjects at (1) to (4) above and candidates competing for posts under category II only will be required to offer subjects at (1) to (3) and (5) above.

3. The examination in all the subjects will be completely of objective (multiple choice answer) type. For details including sample Questions, please see "Candidates' Information Manual" at Annexure II to the Commission's Notice.

The Question Papers (Test Booklets) will be set in English only.

4. The standard and syllabus of the examination will be shown in the Schedule.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

8. Special attention will be paid in the Personality Test to assessing the candidate's capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application, integrity of character and aptitude for adapting themselves to the field life.

## SCHEDULE

### STANDARD AND SYLLABUS

The standard of the paper in General English will be such as may be expected of a science graduate. The papers on geological subjects will be approximately of the M.Sc. degree standard of an Indian University and questions will generally be set to test the candidate's grasp of the fundamentals in each subject.

There will be no practical examination in any of the subjects.

#### (1) GENERAL ENGLISH (Code 01)

Questions to test the understanding of and the power to write English.

#### (2) GEOLOGY PAPER I (Code 02)

**A. General Geology.**—Origin of the Earth, Continents and Oceans—their distribution, evolution and origin, Continental drift, Ocean spreading and concept of plate-tectonics, Palaeoclimates and their significance, Isostasy, Palaeomagnetism, Radioactivity and its application to geology, Geochronology and age of the Earth, Seismology and interior of the Earth, Geoclines, Volcanism, Island arcs, deep-sea trenches and mid-oceanic ridges, Coral reefs, Orogeny and epigenesis, Organic cycles.

**B. Geomorphology**—Geomorphic processes, features and their parameters, Ecomorphic cycles and their interpretations, Topography and its relation to structures, Soils.

**C. Structural Geology**—Physical properties of rocks, Deformation; Faulting and folding—their mechanics, Primary structures, Lineation, foliation and joints, Plutons, diapirs and salt domes, Recognition of top and bottom of beds, Un-conformities, Ductile metamorphism, Petrofabric analysis.

**D. Stratigraphy**—Principles of stratigraphy and nomenclature, Outlines of world stratigraphy and palaeogeography, Type section of the various geological system, Gondwana System and Gondwanaland

Stratigraphy and Palaeogeography of the Indian sub-continent (India, Pakistan and Bangladesh), Correlation of the major Indian formations, age problems in Indian stratigraphy.

**E. Palaeontology**—(a) Fossils, their nature, modes of preservation and uses, Morphology, classification and geological history of the invertebrates; corals, brachiopods, lamellibranch ammonites, gastropods, trilobites, echinoderms, graptoliths and foraminifera.

(b) Principal groups of vertebrates with emphasis on Gondwana and Siwalik faunas, Evolutionary histories of man, elephant and horse.

(c) Fossil flora with emphasis on Gondwana flora and its significance and distribution.

(d) Micropalaeontology, its importance with special reference to foraminiferids, their ecology and palaeoecology.

#### (3) GEOLOGY PAPER II (Code 03)

### A. CRYSTALLOGRAPHY

Symmetry elements and classification of crystals, Projections—planar and Stereographic; 32 classes (Point groups), Twinning and crystal imperfections.

### B. DESCRIPTIVE MINERALOGY

Physical, chemical, electrical, magnetic and thermal properties of minerals, Structure and classification of silicates.

Olivine group, Garnet group, Epidote group and Mellilita group, Zircon, Sphene, Sillimanite, Andalusite, Kyanite, Topaz, Staurolite, Beryl, Cordierite, Tourmaline, Pyroxene group and Amphibole group, Wallastonite and Rhodonite, Mica Group, Chloride group and Clay minerals, Feldspar group, Silica minerals, Feldspathoid group, Zeolite group and Seapolite group, Oxides, Hydroxides, Carbonates, Phosphates, Halides, Sulphides and Sulphates.

### C. OPTICAL MINERALOGY

General principles of optics, Optical accessories, Refrangence, Birefringence, Extinction angle, pleochroism, Optical elipticity, Optical axial angle, optic orientation, Dispersion, Optic anomalies.

**D PETROLOGY**

(i) *Igneous* : Forms, structures, texture and classification. Granite-Granodiorite-Diorite, Syenite-Nepheline Syenite. Gabbro-Peridotite-Dunite Dolerite, Lamprophyre, Pegmatite, Apollite, Ijolite and Carbonatite, Rhyolite, Trachyte, Dacite Andesite and Basalt.

Phase rule and equilibrium in silicate system. Two component and three-component systems. Order of Crystallisation Reaction principle. Crystallisation of magmas, Diversity Variation diagrams. Origin of granites, monomineritic and alkaline rocks, carbonatites, pegmatites and lamprophyres.

(ii) *Sedimentary* Classification and composition. Origin of sediments. Textures and structures. Study of important groups of sedimentary rocks. Mechanical analysis of sediments. Methods of deposition. Palaeocurrents and Basin-analysis. Provenance of sediments. Depositional environment. Heavy minerals and their significance. Lithification and diagenesis.

(iii) *Metamorphic* : Agents types, structures, grades and factors of metamorphism. Metamorphic differentiation. Metasomatism and granulation. Migmatites, granulites, charnockites, amphibolites, schists, gneisses and hornfels. Metamorphism in relation to magma and orogeny.

**E GEOCHEMISTRY**

Cosmic abundances of elements, primary geochemical differentiation of the earth; geochemical classification of the elements. Trace elements. Geochemistry of water. Geochemistry of sediments, geochemical cycle and principles of geochemical prospecting.

## (4) GEOLOGY PAPER III (Code 04)

**A INDIAN MINERAL DEPOSITS**

Indian deposits of the following metallic and non-metallic ores and minerals with reference to their distribution, mode of occurrence and origin :

(a) Copper, Lead, Zinc, Aluminium, Magnesium, Iron, Manganese, Chromium, Gold, Silver, Tungsten and Molybdenum.

(b) Mica, Vermiculite, Asbestos, Barytes, Graphite, Gypsum Ochre, Precious and Semi-precious minerals, refractory minerals, abrasives and minerals for ceramics, glass, fertiliser-cement, paint and pigment industries and building stones.

(c) Coal, petroleum, natural gas and atomic energy minerals.

**B. MINERAL EXPLORATION**

Methods of surface and sub-surface exploration, field equipment and field tests used for exploration, guides for locating ore deposits. Sampling, assaying and evaluation of ore deposits. Application of geophysical, geochemical and geobotanical surveys in mineral exploration.

**C. MINERAL ECONOMICS**

Significance of minerals in national economy. Use of various minerals in manufacturing industries. Demand, supply and substitutes. Production and price of major minerals in India. International aspects of Mineral industries. Strategic, critical and essential mineral. Conservation and national mineral policy. India's status in mineral production.

**D. ECONOMIC GEOLOGY**

Mineral deposits—processes of formation, controls of localisation and classification. Study of important metallic and non-metallic minerals with reference to their mineralogy, mode of occurrence and distribution.

**HYDROGEOLOGY (Code 05)**

Hydrological cycle. Distribution of water in the earth's crust. Ground Water in hydrological cycle. Origin of ground water, meteoric, juvenile and magmatic water, springs. Classification of rocks with respect of water bearing characteristics. Hydro-stratigraphic units. Geological structures favouring ground water occurrence. Ground water provinces. Ground water reservoirs—Aquifers, aquiclude, aquitards, classification of aquifers.

Hydrological properties of rocks (Ground water reservoirs) porosity, void ratio, permeability, transmissivity, storativity, specific yield, specific retention, diffusivity. Methods of identification of ground water reservoir properties—permeability and specific yield/storativity by discharging well methods and laboratory techniques. Forces causing ground water movement. Laws of ground water movement—Darcy's law. Ground water recharge—artificial and natural, factors controlling recharge, conjunctive and consumptive use of ground water.

Surface and sub-surface techniques of ground water exploration—geological and geophysical—water balance. Techniques of ground water extraction (Types of wells, methods of well construction in different types of rocks for best yield). Chemical characteristics of ground water in relation to various uses—domestic, industrial and irrigation. Water pollution.

**APPENDIX II****REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES**

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming upto the required physical standard.]

The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board. For the disabled ex-Defence Services Personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.

To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard, the chin will be depressed to bring the vertex of the head-level under the horizontal bar, and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care

will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in the centimetres thus 84—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in Kilogram; fraction of half a Kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded

(i) *General.*—The candidate's eye will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eyelids or contiguous structure of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.

(ii) *Visual Acuity.*—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one of the distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidate shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standard for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye	Worse eye	Better eye	Worse eye
—	—	—	—
6/9	6/9	0.6	0.8
or	or		
6/6	6/12		

Note (1)—Total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00D. The total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed+4.00D.

Note (2)—*Fundus Examination*: Wherever possible fundus examination will be carried out at the discretion of the Medical Board and results recorded.

Note (3)—*Colour vision*:(i) The testing of colour vision shall be essential.

(ii) Colour perception should be graded into a higher and a lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Higher Grade of Colour Perception	Lower Grade of Colour Perception
1. Distance between the lamp and candidate	4.9 metres	4.9 metres
2. Size of aperture	1.3 mm.	1.3 mm.
3. Time of exposure	5 Sec.	5 Sec.

For the post of Geologist (Jr.) and Assistant Geologist concerning Geological Survey of India and Junior Hydrogeologist and Asstt. Hydrogeologist concerning Central Ground Water Board, the medical standards in regard to colour perception and all other tests relating to eyes will be of high order.

(iii) Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and a suitable lantern like edrige green shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient, in respect of the services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the tests, both the tests should be employed.

Note (4)—*Field of vision*—The field of vision shall be tested by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful result the field of vision should be determined on the perimeter.

Note (5)—*Night Blindness*.—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaptation is

prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such a rough test, e.g., recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he/she has been there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon but they should be given due consideration.

Note (6)—(a) *Ocular conditions other than visual acuity*—Any organic disease or a progressive reactive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Trachoma*—Trachoma unless complicated shall not ordinarily be a cause for disqualification.

(c) *Squint*.—Where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity is of a prescribed standard, should be considered as disqualification.

(d) *One-eyed persons*.—The employment of one-eyed individuals is not recommended.

#### 7. Blood Pressure

The Board will use its discretion regarding Blood pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subject over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidates should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro-cardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

#### Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The

cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied slightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vibrate the readings. Re-checking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level; they may disappear as pressure falls and re-appear at still lower level. This silent gap may cause error in readings).

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; provided that if, the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid candidate cannot be declared unfit on that account; provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard—

1	2	3
---	---	---

- (1) Marked or total deafness Fit for non-technical job  
In one ear other ear being the deafness is up to 30 decibel in higher frequency
- (2) Perceptive deafness in both ears Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is up to 30 decibel in speech frequencies of 1000 to 4000.
- (3) Perforation of tympanic membrane Central or marginal type.
- (i) one ear normal other ear perforation of tympanic membrane present Temporarily unfit. Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporary unfit and then he may be considered under 4 (II) below.
- (ii) Marginal or little perforation in both ears—Unfit.

8. The urine passed in the presence of the examiner, should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical test, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria, the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examination clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and, will submit his opinion to the Medical Board, upon which the Medical Board will issue its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after

1	2	3
		(iii) Centro perforation both ears—Temporarily unfit.
(4) Ears with Mastoid cavity	(i) Either ear normal hearing or abnormal hearing on one side/on both sides	(i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity—Fit for both technical and non technical jobs.  (ii) Mastoid cavity of both sides, Unfit for technical jobs—Fit for non-technical jobs of hearing improved to 30 decibels in either ear with or without hearing aid.
(5) Persistently discharging ear operated/unoperated.		Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.
(6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal Septum.		(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases  (ii) If deviated nasal Septum is present with symptoms—Temporarily unfit
(7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.	(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx, Fit.	
	(ii) Hoarseness of voice of severe degree is present then Temporarily Unfit.	
(8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T	(i) Benign tumours Temporarily—Unfit	
	(ii) Malignant Tumour—Unfit.	
(9) Otosclerosis		If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid . Fit.
(10) Congenital defect of ear, nose or throat.	(i) If not interfering with functions—Fit.  (ii) Stuttering of severe degree—Unfit	
(11) Nasal Poly		Temporarily Unfit.

(b) that his speech is without impediment,

(c) that his teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);

(d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient, and that his heart and lungs are sound;

(e) that there is no evidence of any abdominal disease;

(f) that he is not ruptured;

(g) that he does not suffer from hydrocele, severe degree of varicocele, varicose veins or piles;

(h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;

(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;

(j) that there is no congenital malformation or defect;

(k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution.

(l) that he bears marks of efficient vaccination; and

(m) that he is free from communicable disease.

11 Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in that Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

Note.—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above posts. If, however Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication

in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate otherwise no request for an appeal to a second Medical Board, will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains, a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate had already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

#### Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affection or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be coopted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the posts of Geologists (Jr.) and Assistant Geologist are liable for field service in or out of India. In the case of such a candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board.

There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been affected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared temporarily 'Unfit', period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

#### (a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the Warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters).....
2. State your age and birth place .....
3. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese; Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower. Answer 'Yes' or 'No'. and if the answer is "Yes" state the name of the race.
- (b) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis.
- (c) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?

4. Have you suffered any form of nervousness due to overwork or any other cause ?

5. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living, and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages and cause of death
---	--	--	---

Mother's age if living, and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages and cause of death
---	--	---	--

6. Have you been examined by a Medical Board before ?

7. If answer to the above is 'Yes' please state what Services/posts you were examined for.

8. Who was the examining authority ?

9. When and where was the Medical Board held ? . . . . .

10. Results of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known.....

I declare all the above answers to be the best of my belief, true and correct.

Candidate's Signature.....

Signed in my presence.

Signature of Chairman of the Board.

Note :—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims of superannuation allowances or Gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (Name of candidate) physical examination.

1. General development : Good . . . . . Fair . . . . .

Poor . . . . .

Nutrition : Thin . . . . . Average . . . . . Obese . . . . .  
Height (without shoes) . . . . . Weight . . . . .

Any recent change in weight . . . . .

Temperature . . . . .

Girth of Chest :—

- (1) (After full inspiration) . . . . .
- (2) (After full expiration) . . . . .
- 2. Skin : any obvious disease . . . . .
- 3. Eyes . . . . .
- (1) Any disease . . . . .
- (2) Night blindness . . . . .
- (3) Defect in colour vision . . . . .
- (4) Field of Vision . . . . .
- (5) Fundus Examination . . . . .
- (6) Visual Acuity . . . . .
- (7) Ability for stereoscopic fusion . . . . .

Acuity of vision	Naked eye	with glasses	Strength of glasses sph. cv. Axis.
------------------	-----------	--------------	------------------------------------

Distant Vision

RE  
LE

Near Vision

RE  
LE

Hypermetropia  
(Manifest)

RE  
LE

4. Ears : Inspection . . . . . Hearing : Right Ear . . . . .  
Left Ear . . . . .

5. Glands . . . . . Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?

If yes, explain fully . . . . .

8. Circulatory system . . . . .

(a) Heart and organic lesions . . . . .

Rate : Standing . . . . .

After hopping 25 times . . . . .

2 minutes after hopping . . . . .

(b) Blood Pressure : Systolic . . . . . Diastolic . . . . .

9. Abdomen : Girth . . . . .

Tenderness . . . . .

Hernia . . . . .

(a) Palpable Liver . . . . . Spleen . . . . .

Kidneys . . . . . Tumours . . . . .

(b) Haemorrhoids . . . . . Piles . . . . .

10. Nervous System : Indications of nervous or mental disabilities .....

11. Loco Motor System : Any abnormality .....

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele, etc.

**Urine Analysis :**

(a) Physical appearance .....

(b) Sp. Gr. .....

(c) Albumen .....

(d) Sugar .....

(e) Casts .....

(f) Cells .....

13. Report of X-Ray Examination of Chest .....

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate .....

**Note.—**In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit vide regulation 9.

15. (a) For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit?

(b) Is the candidate fit for FIELD SERVICE?

**Note.—**The Board should record their finding under one of the following three categories:

(i) Fit .....

(ii) Unfit on account of .....

(iii) Temporarily unfit on account of .....

President .....

Member .....

Place .....

Date .....

### APPENDIX III

Brief particulars relating to the posts for which recruitment is being made through this examination.

#### 1. Geological Survey of India

##### (1) Geologist (Junior), Group A—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) During the period of probation the candidates may be required to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests as may be prescribed by the competent authority.

(c) Prescribed scales of pay in the Geological Survey of India.

(i) Geologist (Junior) (Junior Scale)—Rs. 2200—75—2800—EB—100—4000.

(ii) Geologist (Senior) (Senior Scale) Rs. 3000—100—3100—125—4500.

(iii) Director (Geology) Rs. 3700—125—4700—150—5000.

(iv) Dy. Director General (Geology) Rs. 5900—200—6700.

(v) Sr. Dy. Director General (Operation) Rs. 7200—100—7600.

(vi) Director General Rs. 8000 (fixed).

(d) Promotions to the higher grade of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(g) All officers of Geological Survey of India are liable for service in any part of India or outside India.

##### (2) Assistant Geologist Group B—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) During the period of probation the candidate may be required to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests as may be prescribed by the competent authority.

(c) Prescribed scale of pay Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500.

- (d) Recruitment to the Cadre of Geologist (Group A—Junior Scale) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination and partly through D.P.C. by promotion from the next lower grade of Assistant Geologist of the Geological Survey of India in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.
- (e) Conditions of service and leave and pension are those described in all the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively subject to such modifications as may be made by Government from time to time.
- (f) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.
- (g) Assistant Geologists are liable for service anywhere in India or outside India.

*2. Central Ground Water Board*

(1) Scientist 'B' (Jr. Hg.) Group A—

- (a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.
- (b) Prescribed scales of pay in the Central Ground Water Board :—
  - (i) Scientist 'B' (Jr. Hg.) Rs. 2200—75—2600—EB—100—4000.
  - (ii) Scientist 'C' (Sr. Hg.) Rs. 3000—100—3500—125—4500.
  - (iii) Scientist 'D' Rs. 3700—125—4700—150—5000.
  - (iv) Chief Hydrogeologist Rs. 5100—150—5700.
- (c) Promotions to the higher grades of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

- (e) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.
- (f) All Officers of Central Ground Water Board are liable for service in any part of India or outside India.

(2) Assistant Hydrogeologist, Group B—

- (a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.
- (b) Prescribed scale of pay Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500.
- (c) Recruitment to the cadre of Scientist 'B' Junior Hydrogeologist (Group A) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination and partly through D.P.C. by promotions from the next lower grade of Assistant Hydrogeologist of the Central Ground Water Board in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by the Government from time to time.
- (d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.
- (e) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.
- (f) Assistant Hydrogeologists are liable for Service anywhere in India or outside India.

